राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 25 मई 2025 वर्ष-8,अंक-95 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून...

16 साल पहले 2009 में 9 दिन पहले आया था मानसून... 4 जून तक मप्र पहुंचने की संभावना

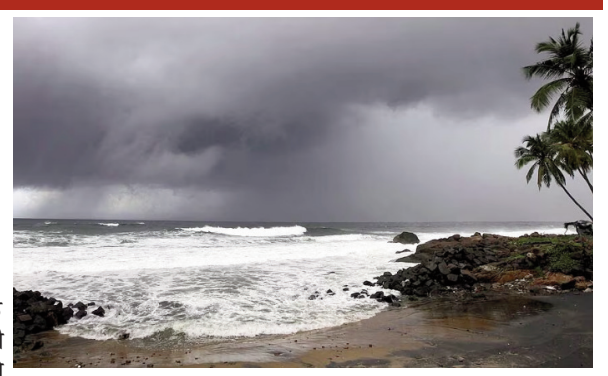

▸▸ भारत में मानसून ने दी दस्तक...
▸▸ दिल्ली-नोएडा, मुंबई समेत कई बड़े शहरों में भी ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली।

मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। यह भारत की मुख्य भूमि पर पिछले 16 वर्षों में मानसून का सबसे पहले आगमन है। इस बार अपने तय वक्त से 8 दिन पहले ही मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। भारत के मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी है। पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में आया था, जब यह 23 मई को राज्य में पहुंचा था। केरल में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि 1 जून है। हालांकि, 1918 में राज्य में 11 मई को ही मानसून ने दस्तक दे दी थी, जो आज तक का केरल में सबसे जल्दी मानसून आगमन का इकलौता मामला है।

दूसरी ओर, मानसून के देरी से केरल आगमन का रिकॉर्ड 1972 में दर्ज है, जब मानसून की बारिश 18 जून को शुरू हुई थी। पिछले 25 वर्षों में सबसे अधिक देरी से मानसून का आगमन 2016 में हुआ, जब मानसून ने 9 जून को केरल में प्रवेश किया। आईएमडी ने मानसून के आगमन को देखते हुए केरल के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है- जो अगले 24 घंटों में 20 सेमी से अधिक बारिश का सामना कर सकते हैं। कुछ अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जहां 11 सेमी से 20 सेमी के बीच बारिश हो सकती है। आईएमडी ने 6 सेमी से 11 सेमी के बीच भारी बारिश की आशंका वाले क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

कई जगह बौछारें पडऩे का अनुमान

दिल्ली के आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में 25 और 26 मई को गरज-चमक के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। 27 मई को बारिश या गरज के साथ बौछारें पडऩे का अनुमान है। इससे पहले 21 मई की शाम को दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में भयंकर तूफान आया था। 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई थी।

मुंबई में भारी वर्षा का अनुमान

दक्षिण कोंकण, गोवा तट के पास और पूर्व मध्य अरब सागर में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके चलते आईएमडी ने अगले तीन दिनों के लिए कोंकण क्षेत्र में अत्यधिक भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि रायगढ़ और रत्नागिरी जिले के लिए अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना का पूर्वानुमान लगाते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि मुंबई, ठाणे, पालघर, सिंधुदुर्ग के साथ-साथ पुणे और सतारा के लिए भारी बारिश, गरज और तेज हवाओं के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी से बहुत भारी वर्षा, गरज के साथ छींटे पडऩे और अलग-अलग स्थानों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है।

कृषि क्षेत्र को होगा फायदा

मानसून के जल्दी आने से आमतौर पर सभी क्षेत्रों में सकारात्मक भावनाएं आती हैं, विशेषकर कृषि क्षेत्र में, जो भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। समय पर बारिश होने से भूजल स्तर में सुधार होता है, जलाशय भरते हैं, तथा धान, दलहन, तिलहन, कपास और सब्जियों जैसी खरीफ फसलों की शीघ्र बुवाई में मदद मिलती है- ये सभी खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आय के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों ने पहले ही आगाह कर दिया था कि मानसून की शुरुआत उत्साहजनक है, लेकिन वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले हफ्तों में देश भर में मानसून कितनी स्थिरता और एकरूपता से आगे बढ़ता है। सफल खरीफ सीजन सुनिश्चित करने के लिए मानसून का पूरे देश में एक समान प्रसार और बारिश होना आवश्यक है। असमान वर्षा या लंबे समय तक सूखा पडऩे से मानसून के जल्दी शुरू होने के लाभ समाप्त हो सकते हैं।

पठानकोट के खेत में मिला मोर्टार

पठानकोट।

पठानकोट के सोली भोली गांव के एक खेत में मोर्टार मिलने से लोगों में दहशत फैल गई। इस बात का खुलासा तब हुआ जब एक ग्रामीण ने बम जैसी वस्तु देखी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बम जैसी वस्तु को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इसकी सूचना सेना को भी दी और सेना की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर जिंदा मोर्टार को निष्क्रिय कर दिया। इस दौरान गांव के सरपंच भी मौके पर मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक यह मोर्टार बीर सिंह नाम के व्यक्ति के खेत में देखा गया था और उसके बाद ही पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

मोहाली में पुलिस ने दबोचे 7 नाइजीरियन

चंडीगढ़।

मोहाली में पंजाब पुलिस ने 7 नाइजीरियन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये एक किराए के मकान में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर सोशल मीडिया के ज़रिए लोगों को ठगते थे। इन्होंने अश्लील चैट दिखा कर शादीशुदा व्यक्तियों को ब्लैकमेल कर 15 करोड़ रुपए ठगे थे। पुलिस ने क्रहस् की धारा 318(4), 61(2) और आईटी एक्ट की धारा 66 में मामला दर्ज किया है। इनके कब्जे से करीब 2.10 करोड़ रुपए कीमत का सामान बरामद किया गया है। मोहाली के एसएसपी हरमनदीप हंस ने कहा कि आरोपियों को डीएसपी रुपिंदरदीप कौर सोही की सुपरविजन में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी खुद को फेसबुक पर कभी पायलट तो कभी इंजीनियर बताते थे।

3 भाइयों की गोली मारकर हत्या

बक्सर।

बक्सर में शनिवार की सुबह दो पक्षों में झड़प के बाद अंधाधुंध फायरिंग हुई। इस गोलीबारी में 5 लोगों को गोली लगी है, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वाले सभी भाई हैं। जो जख्मी हैं, वो भी मृतकों के भाई हैं। फायरिंग के बाद 2 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वारदात का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दो गुटों में पहले लाठी-डंडे और पत्थरबाजी हो रही है। इसके बाद दूसरे गुट के लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी। एक मिनट के वीडियो में 12 बार गोली चलने की आवाज सुनाई दे रही है। घटना राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में नहर किनारे की है। बताया जा रहा है कि बालू कारोबार को लेकर हुई लड़ाई के बाद बदमाशों ने गोलियां चलाई है।

भारत-नेपाल सीमा पर पकड़ा गया संदिग्ध

बहराइच(ईएमएस)।

यूपी के बहराइच में शुक्रवार की रात भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने एक संदिग्ध को पकड़ा है। उसकी भाषा काफी अजीब है। जो स्थानीय निवासियों से काफी अलग है। एसएसबी ने उसे पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे पूछताछ की जाएगी। मामला मोतीपुर क्षेत्र का है। यहां भारत-नेपाल सीमा पर एक युवक घूम रहा था। एसएसबी जवानों को शंका हुई तो उसे रोका। उससे बातचीत करके उसका पता और टहलने का कारण पूछा। इस पर उसने जिस भाषा में जवाब दिया, वह पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आई। इस पर शक और गहरा गया।

केंद्र और सभी राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें, तब लक्ष्य असंभव नहीं : पीएम मोदी

नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक

नई दिल्ली।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। बैठक का विषय है विकसित भारत 2047 के लिए विकसित राज्य। बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। बैठक को संबोधित कर पीएमए मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति को बढ़ाना है। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें, तब लक्ष्य असंभव नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करके प्रत्येक राज्य में करीब एक पर्यटन स्थल को तैयार करना चाहिए। एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ यह पहली बड़ी बैठक है। बयान के अनुसार, विकसित भारत के लिए विकसित राज्य का विचार राज्यों से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जुड़े साहसिक, दीर्घकालिक और समावेशी विजन दस्तावेज तैयार करने का आह्वान है, जो स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित हों। इन विजनों में समयबद्ध लक्ष्य शामिल होने चाहिए। आम तौर पर, पूर्ण परिषद की बैठक हर साल होती है और पिछले साल यह 27 जुलाई को हुई थी।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों को फर्जी पासपोर्ट के साथ देश से भागने में मदद करने वाले एक प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया है। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के पासपोर्ट मॉड्यूल को चलाने वाले राहुल सरकार को गिरफ्तार किया है। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि राहुल सरकार को मामले की जांच के लिए पटियाला हाउस स्थित एजेंसी की विशेष अदालत ने एनआईए की हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने पाया कि आरोपी गिरोह के सदस्यों के लिए जाली पासपोर्ट की व्यवस्था करता था, इससे आरोपियों को अपराध करने के बाद देश से भागने में मदद मिलती थी। जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान के अनुसार, गिरोह के जिन सदस्यों की राहुल सरकार ने मदद की थी, इसमें सचिन थापन उर्फ सचिन थापन बिश्नोई भी शामिल है, जो 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मुख्य आरोपी है।

मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा करने की सुविधा तैयार करें

भारत के चुनाव आयोग ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली।

मतदान दिवस की गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के मकसद से एक महत्वपूर्ण कदम उठाकर, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाताओं के लिए मोबाइल फोन जमा करने की सुविधा को बेहतर और मतदान केंद्रों के पास प्रचार मानदंडों को तर्कसंगत बनाने के लिए निर्देश जारी किए हैं।

ये कदम कानूनी अनिवार्यताओं का पालन कर चुनावी प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने के आयोग के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। ईसीआई ने निर्देश दिया है कि मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा करने की सुविधा स्थापित करे। नए दिशा-निर्देशों के तहत, मतदाताओं को मतदान केंद्रों के प्रवेश द्वार के पास रखे गए साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग में अपने मोबाइल फोन जमा करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर मोबाइल फोन को बंद कर देना चाहिए और मोबाइल अंदर नहीं ले जाना चाहिए।

हालांकि, रिटर्निंग अधिकारियों को स्थानीय चुनौतियों के मद्देनजर कुछ मतदान केंद्रों को नियम से छूट देने का अधिकार दिया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एम, जो मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, का सख्ती से पालन किया जाता रहेगा। चुनाव के दिन रसद बढ़ाने की एक समानांतर पहल में, आयोग ने प्रचार के लिए अनुमेय मानदंडों को भी युक्तिसंगत बनाया है। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के 100 मीटर के दायरे में अब चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह मतदान स्थल के करीब मतदाताओं पर किसी भी तरह के प्रभाव के खिलाफ एक सख्त रुख को दर्शाता है। अनौपचारिक मतदाता पहचान पर्चियां देने वाले अभियान बूथ अब केवल 100 मीटर की सीमा से आगे ही स्थापित हो सकते हैं, जिससे कम दखलंदाजी और अधिक व्यवस्थित मतदान वातावरण सुनिश्चित होगा।

ये उपाय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रावधानों के अनुरूप हैं। वे मतदाता सुविधा को चुनावी कानून के सख्त पालन के साथ संतुलित करने के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

टेक सपोर्ट घोटाले के आरोपी अंगद सिंह अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित

नई दिल्ली।

टेक सपोर्ट घोटाले के आरोपी अंगद सिंह चंडोक को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया है। चंडोक को एक अमेरिकी अदालत ने ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाला चलाने के लिए दोषी माना था, इससे अमेरिकी नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों डॉलर की ठगी की गई थी। आरोपों के अनुसार, चंडोक ने कई फर्जी कंपनियां बनाकर उनका इस्तेमाल टेक सपोर्ट स्कीम के दवारा चुराए गए फंड को भारत और दूसरे देशों में ट्रांसफर करने के लिए किया। अमेरिकी न्याय विभाग ने मार्च 2022 में जारी बयान में आरोपी चंडोक की घोटाले में संलिप्तता के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें अमेरिकी वरिष्ठ नागरिकों को धोखाधड़ी से निशाना बनाने की बात कही गई। सीबीआई ने चंडोक को अमेरिका से प्रत्यर्पित करने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी थी। उसके प्रत्यर्पण के बाद, भारत की एक अदालत में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी द्वारा उसकी हिरासत की मांग किए जाने की उम्मीद है।

चाईबासा कोर्ट के गैर-जमानती वारंट से राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें

26 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश

रांची। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए विशेष अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है और उन्हें 26 जून 2025 को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। यह वारंट राहुल गांधी की लगातार अनुपस्थिति और अदालत द्वारा जारी समन की अवहेलना के चलते जारी किया गया। राहुल गांधी के वकील द्वारा दाखिल व्यक्तिगत पेशी से छूट की अर्जी को न्यायिक दंडाधिकारी ने खारिज कर दिया। इससे पहले भी उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए।

मामला किससे जुड़ा है?

यह पूरा मामला 28 मार्च 2018 को दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। इस भाषण के बाद भाजपा नेता प्रताप कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा सीजेएम कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे को झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर फरवरी 2020 में रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। बाद में चाईबासा में जब एमपी-एमएलए कोर्ट की शुरुआत हुई तो मामला पुनः वहीं स्थानांतरित कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को कैडर समीक्षा को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 2021 में होने वाली कैडर समीक्षा को 6 माह की अवधि के अंदर आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ और एसएसबी सहित सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में किया जाए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को कैडर समीक्षा और मौजूदा सेवा/भर्ती नियमों के संशोधन के संबंध में गृह मंत्रालय से कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्त होने के तीन माह के भीतर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया। यह निर्देश गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन, कैडर समीक्षा, पुनर्गठन और आईपीएस प्रतिनियुक्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से भर्ती नियमों में संशोधन की मांग वाली याचिकाओं के समूह की सुनवाई के दौरान जारी किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों की सेवा गतिशीलता के दोहरे उद्देश्यों को ध्यान में रखकर एक ओर ठहराव को दूर करना और दूसरी ओर बलों की परिचालन/ कार्यात्मक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, हमारा विचार है कि सीएपीएफ के कैडर में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (एसएजी) के स्तर तक प्रतिनियुक्ति के लिए निर्धारित पदों की संख्या को समय के साथ उत्तरोत्तर कम किया जाना चाहिए।

इससे सीएपीएफ के प्रशासनिक ढांचे के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सीएपीएफ से संबंधित कैडर अधिकारियों की भागीदारी की भावना आएगी, जिससे कैडर अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतें दूर होंगी। पीठ ने सीमाओं पर और देश के भीतर राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में सीएपीएफ की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया।

एपल भारत में ही बनाएगी आईफोन

कंपनी अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में नहीं आएगी, ट्रम्प चाहते हैं अमेरिका में बनें फोन

नई दिल्ली ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्ट्स से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी।

मामले से जुड़े एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि, उन्हें पूरा विश्वास है कि एपल ट्रम्प प्रशासन के किसी भी दबाव के बावजूद कंपनी मुनाफे को तब्ज्जो देगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत में उपलब्ध टेलेंट और यहां बिजनेस के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर ज्यादा फोकस कर रही है।

ट्रम्प ने 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया

डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए। उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा।

अभी भारत में बन रहे 15 प्रतिशत आईफोन

फिलहाल एपल अमेरिका में स्मार्टफोन नहीं बनाती है। इसके ज्यादा तक आईफोन चीन में बनाए जाते हैं, जबकि भारत में अब एपल के कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा बनता है, जो सालाना लगभग 40 मिलियन यूनिट है।

वहीं एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में

बताया था कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50प्रतिशत आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोये?

सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरुआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं।

लेखक - ललित गर्ग

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे? न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक 'बड़ी साजिश' को दर्शाता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दर्शाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरुआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है। एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री के बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है। अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेगी, तो राष्ट्र की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। चहुंओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावों का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे औजार है, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं।

अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरपार की लड़ाई के लिए काफी कठोरता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

पुल बने भाषा

इसमें दो राय नहीं कि भाषाई विविधता रंग-बिरंगे फूलों की तरह भारत की खूबसूरती की वाहक है। वहीं यह विविधता देश की सांस्कृतिक समृद्धि का आधार भी है। यह विडंबना ही है कि राजनीतिक लाभ के लिये क्षेत्रीय भाषा के गौरव के नाम पर हिंदी विरोध का मोर्चा अकसर खोला जाता है। निस्संदेह समय-समय पर उभरने वाले विवाद क्षेत्रीय गर्व और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों को ही उजागर करते हैं। कुछ समय पहले ऐसे ही विवाद में मराठी को व्यवहार में न अपनाने के आरोप लगाकर एक अधिकारी को थप्पड़ मारने का विवाद सामने आया था। कालांतर भाजपा शासित राज्य में मराठी की अनिवार्यता कामकाज में लागू की गई थी। अब ताजा विवाद कर्नाटक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने पर उठा है। जिसका कहना था कि वह हिंदी भाषी है और हिंदी में वार्तालाप करेगा। इस प्रकरण में अधिकारी का तबादला व खासा विवाद हुआ। स्वाभाविक रूप से क्षेत्रीय भाषा की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल खासे सक्रिय हुए। इस बीच जन सेवा में भाषाई संवेदनशीलता के प्रशिक्षण की मांग भी उठी। वैसे भी केंद्रीय सेवाओं के रूप में काम करने वाले विभागों व बैंक आदि के कर्मचारियों व अधिकारियों के विभिन्न राज्यों में अकसर तबादले होते रहते हैं। यह संभव भी नहीं कि हर व्यक्ति हर राज्य की भाषा बोल सके, लेकिन सीधे तौर पर जन-सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को राज्य की स्थानीय भाषा का ही उपयोग उपभोक्ताओं से सहज संवाद के लिये करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरू में एक तकनीकी पेशेवर को हिंदी में बोलने के कारण पार्किंग की सुविधा से वंचित कर दिया गया। इस घटना ने गैर हिंदी भाषी इलाकों में भाषायी सहिष्णुता की बहस को नये सिरे से खड़ा किया। निश्चित रूप से दोनों ही घटनाएं भाषाई व सांस्कृतिक एकता के लिये चुनौती पेश करती हैं। जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि ये घटनाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 के त्रि-भाषा फार्मूले की पृष्ठभूमि में हुई हैं। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को तीन भाषाएं सीखने की सलाह दी गई है। जिसमें कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। हालांकि, इस शैक्षिक नीति का मकसद बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है,लेकिन तमिलनाडु में इस नीति का प्रतिरोध सामने आया है। राजनीतिक दल इसे हिंदी थोपने और अपनी भाषाई पहचान के लिये खतरा बता रहे हैं। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विरोध की राजनीति का पुराना इतिहास रहा है। खासकर तब से जब हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाने की कवायद शुरू हुई थी। हालांकि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति लचीलेपन के साथ इस बात पर जोर देती रही है कि किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। इसके साथ यह भी कि भाषाओं के चयन का मुद्दा राज्य, क्षेत्रों और छात्रों पर छोड़ दिया जाएगा। वहीं कतिपय राजनीतिक दल आरोप लगाते रहे हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा का व्यावहारिक क्रियान्वयन एक विवादस्पद मुद्दा है। बहरहाल, इस मुद्दे पर क्षेत्रीय भाषाओं पर इसके प्रभाव और हिंदी के कथित प्रभुत्व को लेकर बहस चल रही है। बहरहाल, इस तरह के विवादों से आगे बढ़ने के लिये आपसी सम्मान और समझ का माहौल बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। सार्वजनिक संस्थानों को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उनकी सेवाएं स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही कर्मचारियों व अधिकारियों को सांस्कृतिक और भाषाई संवेदनशीलता में प्रशिक्षित किया जाए। निस्संदेह, शैक्षिक नीतियों को पूरे लचीलेपन के साथ लागू किया जाना चाहिए। जिसमें बहुभाषी दक्षता को बढ़ावा देते हुए क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

कोविड का नया वैरिएंट/ ऋतुपर्ण दवे

देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं। देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं। बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है।

बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी ऊहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे-धीरे बढ़ने लगे हैं।

हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी

बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर तेज भी हो सकती है।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोविड के पुष्ट मामलों की मौजूदा संख्या 257 है। देश की आबादी के दृष्टिगत यह बहुत कम है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख हुए है।

देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा-सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

(चिंतन-मनन)

संतोष का मार्ग

एक ऋषि अपने शिष्य कपिल के साथ श्रावस्ती नरेश के पास गए। ऋषि से मिलकर नरेश प्रसन्न हुए और उनके आदर-सत्कार में लग गए। इधर कपिल एक सेविका के रूप पर मुग्ध हो गया। उस सेविका ने कपिल से विवाह करने से पहले महंगे कपड़े और गहने मांगे। कपिल यह सब देने में असमर्थ था। सेविका ने इसकी व्यवस्था का तरीका बताते हुए कहा कि जो श्रावस्ती नरेश का प्रातःकाल सर्वप्रथम अभिवादन करता है, उसे वे दो स्वर्ण मुद्राएं प्रदान करते है। कपिल रात बीतने के पहले ही नरेश के शयनकक्ष में घुसने लगा मगर चोर समझकर द्वारपालों ने उसे पकड़ लिया। नरेश के सामने उसने सब बातें सच-सच कह दीं। उसके भोलेपन पर प्रसन्न हो नरेश ने उसकी मुंहमांगी चीज देने का वचन दिया।

कपिल ने एक दिन का समय मांगा। सोचने लगा, दो स्वर्ण मुद्राएं तो कम हैं, क्यों न सौ मांग लूं, पर वे भी कितने दिन चलेंगी। उसने पूरा राज्य ही मांग लिया। श्रावस्ती नरेश निःसंतान थे, उन्हें योग्य व्यक्ति की तलाश भी थी। उन्हें कपिल योग्य लगा। वह बोले- तुमने मेरा उद्धार कर दिया। मैं तृष्णा रूपी सर्पिणी के पाश से छूट गया। यह सुनकर कपिल का विवेक जाग्रत हो गया।

वह बोला- महाराज, आप जिस दलदल से निकलना चाहते हैं, उसी में मैं गिरना नहीं चाहता। मुझे कुछ नहीं चाहिए। वह ऋषि के पास गया और उनसे सब कुछ कह डाला। ऋषि बोले- कामनाओं का कहीं अंत नहीं होता, इसलिए जितना अपने परिश्रम और ईश्वर कृपा से मिल जाए, उसी में प्रसन्न व संतुष्ट रहना चाहिए।

विचार मंथन

संरक्षित धन का मूल्यांकन कर, रिजर्व बैंक से डिविडेंड वसूल कर रही है, सरकार?

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार ने एक बार फिर भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) से 2.69 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक डिविडेंड वसूल किया है। यह अब तक की सबसे बडी डिविडेंड की राशि है जिसका ट्रांसफर रिजर्व बैंक सरकार को कर रहा है। रिजर्व बैंक में जमा सोने का भंडार और विदेशी मुद्रा की कीमत बढ़ जाने से सरकार ने इसे रिजर्व बैंक का मुनाफा मान लिया है। सवाल यह है, यह डिविडेंड रिजर्व बैंक का असल लाभ का नतीजा है,या बाजार में कीमत बढ़ने से सोने एवं विदेशी मुद्रा भंडार का जो मूल्यांकन बढा है। बाजार में सोने और डॉलर की कीमत चढ़ती और उतरती रहती है। आज जो मुनाफा दिख रहा है। कल वह घाटे में भी बदल सकता है। सरकार ने मूल्य वृद्धि को मुनाफा मानकर अपना डिवीडेंड रिजर्व बैंक से ले लिया। भविष्य में यदि घाटा होगा, तो नुकसान रिजर्व बैंक का होगा। रिजर्व बैंक कोई कंपनी नहीं है। रिजर्व बैंक कोई व्यापार भी नहीं करता है। एक नियामक संस्था है, उसके पास जो संपत्तियाँ हैं। जैसे विदेशी मुद्रा भंडार, सोने का भंडार वह किसी व्यापार या विक्रय की कमाई से नहीं आया है। बाजार में मूल्य परिवर्तन से उसका मूल्यांकन साख के रूप में होता है। रिजर्व बैंक में जमा सोना और विदेशी मुद्रा भंडार से अंतरराष्ट्रीय साख बनती है। उसी साख के आधार पर वैश्विक संस्थाओं द्वारा रिजर्व बैंक की आर्थिक स्थिति का मूल्याकन किया जाता है। रिजर्व बैंक में जमा गोल्ड रिज़र्व की वैल्यू पिछले साल 80 बिलियन थी। जो इस साल बढ़कर .100 बिलियन हो गई। सोने की सिर्फ कागज़ पर कीमत बढ़ी है। सोने की बिक्री नहीं हुई है। रिजर्व बैंक में जमा डॉलर की वैल्यू बढ़ी है। रुपये के मुकाबले 78-79 से बढ़कर 85-86 रुपया डॉलर का मूल्य हो गया है। जिससे विदेशी मुद्रा भंडार की वैल्यू कागज़ पर बढ़ी है। इस बढ़े हुए मूल्य को केंद्र सरकार ने मुनाफा मानकर रिजर्व बैंक से डिविडेंड मांग लिया। वास्तव में रिज़र्व बैंक की बैलेंस शीट का वर्तमान प्रचलित मूल्य पर यह री-वैल्यूएशन है। जिसे सरकार मुनाफा मान रही है। रिजर्व बैंक का जमा यह फंड भविष्य के संकटों, मुद्रा स्थिरता और बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा के लिए रिजर्व बैंक के पास अभी तक सुरक्षित रहता आया है। केंद्र सरकार की यह प्रवृत्ति चिंताजनक है। केंद्र सरकार द्वारा रिजर्व बैंक से डिविडेंड लेने के नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के इस नियम के कारण रिजर्व बैंक की स्वतंत्रता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थितियों के संतुलन की स्थिरता पर असर पड़ना तय है। सोचने की बात यह है, जब सरकार रिजर्व बैंक से इतना बड़ा डिविडेंड ले रही है। ऐसी स्थिति में पेट्रोल-डीज़ल पर करों के ज़रिए जनता से 4 लाख करोड़ रुपये की वसूली क्यों की जा रही है। कागज़ी लाभ को मुनाफा कब से माना जाने लगा। आम आदमियों के ऊपर भी क्या इसी तरीके से लाभ मानकर टैक्स लगाया जा सकता है। पिछले एक दशक से केंद्र सरकार टेक्स के रूप में भारी राजस्व एकत्रित कर रही है ऐसी स्थिति में क्या आम नागरिक को टैक्स से राहत नहीं मिलनी चाहिए। सरकार को, रिजर्व बैंक की जो आय दिख रही है। वह काल्पनिक मुनाफा है। मूल्य गिरने पर इसके पीछे का घाटा रिजर्व बैंक का जोखिम है। वित्तीय स्वायत्तता, मौद्रिक नीति की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कैसे रिजर्व बैंक पर बना रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा रिजर्व बैंक के खजाने की यह एक ऐसी लूट है। जो दिखती नहीं है, लेकिन देश की आर्थिक रीढ़ को लगातार कमजोर कर रही है। रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा संवैधानिक निकाय है। रिजर्व बैंक को सारी दुनिया में मान्यता मिलती है। भारत की बैंकिंग प्रणाली और सरकार की आर्थिक हालात का प्रतिबिंब रिजर्व बैंक है। कारोबार के जरिए तथा विदेशी मुद्रा के नियंत्रण को लेकर जो मुद्रा रिजर्व बैंक पास जमा रहती है। उसी से देश की अर्थव्यवस्था का संचालन भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होता है। जिस तरह से केंद्र सरकार रिजर्व बैंक से डिविडेंड वसूल कर रही है। आगे चलकर आम नागरिकों और कंपनियों से भी सालाना मूल्यांकन करके सरकार इसी तरह का टैक्स वसूल करने की तैयारी तो नहीं कर रही है। अभी तक औद्योगिक संस्थान बैंक से लोन लेने के लिए अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन कराकर वित्तीय संस्थानों से लोन लेने के लिए पुर्न मूल्यांकन का उपयोग करते थे। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह से रिजर्व बैंक से डिविडेंड वसूल करने के लिए तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। अर्थशास्त्रियों के लिए यह चिंता का विषय बन रहा है। एक चिंता यह भी बन रही है, यदि मार्केट में आर्थिक मंदी या और अन्य किसी कारण से बैंकिंग प्रणाली में कोई जोखिम उत्पन्न होता है। ऐसी स्थिति में नियामक संस्था के रूप में रिजर्व बैंक कैसे स्थिति से निपटेगा? रिजर्व बैंक में जिस तरह से केंद्र सरकार नियुक्तियां कर रही हैं। अर्थशास्त्रियों का स्थान धीरे-धीरे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को दिया जा रहा है। उसके बाद यही सब होना था जो हो रहा है, आगे भगवान ही मालिक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक सप्ताह में सोना 3,170 रुपए महंगा, चांदी में भी 2300 का उछाल

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज़ी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 17 मई को सोने की कीमत 92,301 प्रति 10 ग्राम थी, जो 24 मई को बढ़कर 95,471 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई यानी एक सप्ताह में सोने की कीमत में 3,170 रुपए का इजाफा हो गया। वहीं चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 17 मई को चांदी की कीमत 94,606 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 96,909 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है यानी इस हफ्ते चांदी की कीमत में 2,303 रुपए का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 प्रति किलोग्राम का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 900,50 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपए है। मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है। कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,080 रुपए है। वहीं चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है।

स्टारलिंक का भारतीय बाजार में जल्द होगा प्रवेश!

840 रुपए में मिलेगा अनलिमिटेड सैटेलाइट इंटरनेट

मुंबई। भारत के डिजिटल भविष्य को नई ऊंचाई पर ले जाने एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारे लिंक जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश करने जा रही है। शुरुआती प्रमोशनल ऑफर में यह सेवा सिर्फ 840 रुपए प्रति माह में अनलिमिटेड डेटा के साथ मिल सकती है। हालांकि भारत में सैटकॉम स्पेक्ट्रम की लागत पारंपरिक टेलिकॉम सेवाओं की तुलना में अधिक है– जैसे कि शहरी ग्राहकों पर 500 अतिरिक्त शुल्क फिर भी स्टारे लिंक जैसी कंपनी इस चुनौती से आसानी से निपट सकती है। स्टारे लिंक के पास फिलहाल करीब 7,000 उपग्रह हैं और उसके 40 लाख वैश्विक यूजर्स हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक अगर स्टारे लिंक अपनी सैटेलाइट संख्या 18,000 तक भी बढ़ा ले, तो भारत में वह केवल 15 लाख यूजर्स को ही कवर कर पाएगा। यानी सेवा की मांग बढ़ने पर क्षमता एक बड़ी चुनौती बन सकती है। जहां भारत के कई हिस्सों में आज भी हाई-स्पीड इंटरनेट एक सपना है, वहीं स्टारे लिंक जैसी सेवा दूरदराज के इलाकों में डिजिटल कनेक्टिविटी को नया जीवन दे सकती है। यह पहल भारत के डिजिटल इंडिया मिशन को भी मजबूती देगी।

रिजर्व बैंक ने यूबीआई और ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियामकीय मानदंडों के गैर-अनुपालन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) और ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों और कृषि कर्ज प्रवाह -संपार्श्विक मुक्त कृषि ऋण पर कुछ निर्देशों के गैर-अनुपालन के लिए 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक अन्य बयान में कहा कि उसने ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पर गैर-अनुपालन के लिए 40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में आरबीआई ने कहा कि दंड नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसमें ग्राहकों के साथ इनके किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल नहीं उठाया गया है।

जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने, क्षतिपूर्ति उपकर पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद अपनी अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने और क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर विचार कर सकती है। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने और मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर फ्रेमवर्क में विसंगतियों को दूर करने पर ध्यान दिया जा सकता है। नई दिल्ली में होने वाली बैठक जल्द ही बुलाए जाने की उम्मीद है, जिसमें राज्य भी अगले फिस्कल प्लानिंग साइकल से पहले अपने रेवेन्यू आउटलुक पर स्पष्टता के लिए दबाव डाल रहे हैं। एनडीटीवी प्रॉफिट सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के राजस्व घाटे की भरपाई के लिए शुरू किए गए शुल्क, क्षतिपूर्ति उपकर का मुद्दा भी चर्चा में है, खासकर तब जब 2026 से आगे भी इसे जारी रखना बहस का विषय बन गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्च में कहा था कि जीएसटी दरों में और कमी की जाएगी क्योंकि कर स्लैब को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है।

जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के समय रेवेन्यू न्यूट्रल रेट (आरएनआर) 15.8 प्रतिशत थी, जो अब 2023 में घटकर 11.4 प्रतिशत हो गई है और इसमें और कमी आएगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जीएसटी स्लैब को सरल बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और जीएसटी परिषद, जिसका नेतृत्व वित्त मंत्री करते हैं और जिसमें राज्य के वित्त मंत्री शामिल हैं, जल्द ही अंतिम निर्णय लेगी। जीएसटी दरों और स्लैब में बदलाव का सुझाव देने के लिए सितंबर 2021 में मंत्री समूह (जीओएम) का गठन किया गया था। इस समिति में छह राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। यह समिति टैक्स सिस्टम को अधिक कुशल बनाने पर काम कर रही है। रेशनलाइजेशन प्रक्रिया में कर स्लैब की संख्या कम करना, दरों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न उद्योगों की उठाई गई प्रमुख चिंताओं का समाधान करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे जोर दिया कि अगली जीएसटी परिषद की बैठक में प्रस्ताव पेश करने से पहले अंतिम समीक्षा चल रही है।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ 28 मई को खुलेगा

मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली।

स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मई को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर तय किया। आईपीओ 30 मई को बंद होगा। गुजरात की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंकर (बड़े) निवेशक 27 मई को बोली लगा सकेंगे। स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ पूर्णतः इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम है, जिसकी कुल राशि 220 करोड़ रुपये है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग ट्यूब और पाइप के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्य लगभग 840 करोड़ रुपये है। निर्गम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

टोयोटा की इस कार की हुई बंपर ब्रिकी, लेकिन दूसरी को एक भी खरीददार नहीं मिला

मुंबई।

भारतीय ग्राहकों के बीच टोयोटा की कारों की हमेशा डिमांड रहती है। इसमें टोयोटा इनोवा, हायराइडर और ग्लैंजा जैसी कार जबरदस्त पॉपुलर है। बीते महीने अप्रैल, 2025 में टोयोटा इनोवा ने 7,000 से ज्यादा एमपीवी की बिक्री करके टॉप पोजीशन हासिल किया। हालांकि, इसी दौरान टोयोटा की एक धांसू एसयूवी लैंड क्रूजर 300 को निराशा हाथ लगी। बता दें कि इस दौरान टोयोटा लैंड क्रूजर 300 को एक भी खरीदार नहीं मिले। वहीं बात करे टोयोटा लैंड क्रूजर 300 की, तब इसमें 3.3-लीटर का ट्विन-टर्बो डीजल इंजन मिलेगा है जो 309बीएचपी की अधिकतम पावर और 700एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करेगा है। इस एसयूवी के इंजन को 10-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। भारतीय मार्केट में टोयोटा लैंड क्रूजर का मुकाबला लैंड रोवर रेंज रोवर और लेक्सस एलएक्स से होता है। टोयोटा की यह एसयूवी सिर्फ एक वैरिएंट जेडएक्स में उपलब्ध है। टोयोटा की एसयूवी में फीचर्स के तौर पर 12.3-इंच की फ्री-फ्लोटिंग टचस्क्रीन सिस्टम, 4-जोन क्लाइमेट कंट्रोल के साथ पावर्ड एडजेस्टेबल फ्रंट सीटें दी गई है। इसके अलावा, पैसेंजर की सेफ्टी के लिए एसयूवी में 10-एयरबैग, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ट्रैक्शन कंट्रोल, पार्किंग सपोर्ट ब्रेक और एडीएएस जैसी टेक्नोलॉजी भी दी गई है। भारतीय मार्केट में टोयोटा लैंड क्रूजर 300 की एक्स-शोरूम कीमत 2.10 करोड रुपये रखी गई है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की रही तेजी

सेंसेक्स 769 अंक उछलकर 81,721 अंक पर बंद

निफ्टी 243.46 अंक बढ़कर 24,853 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांचों कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव देखा गया। साप्ता हिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी की तेजी देखी गई। बाजार के जानकारों का कहना है`` कि वै श्विक बाजारों से` मिले अच्छे संकेत और यूएस बांड यील्ड में` गिरावट से घरेलू शेयर बाजार को सहारा` मिला। सबसे अे धिक उछाल बैं किंग, आईटी और मेटल सेक्टरों में देखने को मिला।

बीते सप्ताह के पांच कारोबारी ` दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को इन्फोसिस और टीएसी जैसे दिग्गज आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजार को नीचे की तरफ खींचा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की गिरावट लेकर 82,215 पर खुला और 271.17 अंक गिरकर 82,059.42 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 6 अंक गिरकर 25,013 पर खुला और 74.35 अंक गिरकर 24,945.45 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 18.33 अंक की मामूली बढ़त लेकर 82,077.75 पर खुला और 905.72 अंक गिरकर 81,153.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भी मजबूती के साथ 24,996.20 अंक पर खुला और 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स तेजी के साथ 835.2 अंक बढ़कर 82,021.64 अंक पर खुला और 410.19 अंक उछलकर 81,596.63 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 262.3 अंक बढ़कर 24,946.20 अंक पर खुला और 129.55 अंक की बढ़त के साथ 24,813.45 पर

बंद हुआ। वैश्विक बाजार में नरमी के असर से भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 578.3 अंक गिरकर 81,018.33 पर खुला और 644.64 अंक गिरकर 80,951.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 215.55 अंक गिरकर 24,597.90 पर खुला और 203.75 अंक गिरकर 24,609.70 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219.05 अंक चढ़कर 81,171.04 पर खुला और 769.09 अंक या 0.95 प्रतिशत उछलकर 81,721.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 166.50 (0.68 फीसदी) अंक उछलकर 24,776.20 पर खुला और 243.46 अंक या 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,853.15 पर बंद हुआ।

महिंद्रा ने बोलेरो और बोलेरो नियो को किया अपडेट

नई दिल्ली।

अपनी लोकप्रिय एसयूवीएस बोलेरो और बोलेरो नियो को महिंद्रा ने अपडेट कर दिया है। यह अपडेट मॉडल डीलर-लेवल एक्सेसरीज पैक के साथ बोल्ड एडिशन के रूप में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 20,500 रुपए से लेकर 40,000 रुपए तक जाती है।

इस नई पेशकश में मुख्य रूप से कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बोलेरो के बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स के ऊपर डार्क क्रोम फिनिश, फ्रंट ग्रिल, डोर हैंडल और रियर फेंडर पर वेंटिलेटर दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लैक-आउट फॉग लाइट सराउंड और फ्रंट बंपर पर भी नए एलिमेंट्स देखे जा सकते हैं। इंटीरियर में नई सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ बेज हाइलाइट्स दिए गए हैं। इस एडिशन में नए डोर सिल प्लेट और मैट भी शामिल हैं। बोलेरो बोल्ड एडिशन की कीमत 10.02 लाख रुपए से लेकर 11.14 लाख रुपए तक है, जबकि एक्सेसरीज पैक की कीमत 20,500 रुपए है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स, नोज और डोर हैंडल पर डार्क क्रोम एलिमेंट्स, ब्लैक-आउट रूफ रेल्स, फ्रंट फॉग लाइट सराउंड और व्हील आर्च जैसे बदलाव किए गए हैं।

इसके केबिन में नई ब्लैक सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ

नेक कुशन और नए मैट्स भी जोड़े गए हैं। सबसे खास फीचर इस मॉडल में रियर कैमरा का जुड़ना है। बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन की कीमत 11.90 लाख रुपए से 12.58 लाख रुपए तक है, और एक्सेसरी पैक की कीमत 40,000 रुपए है। महिंद्रा की इस चाल का उद्देश्य दो महीनों में आई बिक्री गिरावट को कम करना है। मार्च 2025 में बोलेरो ट्विन्स की बिक्री 22 फीसदी से ज्यादा घटकर 8,031 यूनिट्स रह गई, जबकि अप्रैल 2025 में भी बिक्री में करीब 12 फीसदी की गिरावट देखी गई।

अब बेंगलुरु मेट्रो रेल पर शौचालय सुविधा के लिए देने होंगे पैसे

मेट्रो यात्रियों को 12 स टेशनों पर चुकानी पड़ेगी कीमत

बेंगलुरु।

बेंगलुरु के मेट्रो यात्रियों को अब शौचालय सेवाओं का उपयोग करने के लिए पैसे देने होंगे, इस अपवादपूर्ण निर्णय से समाज में उत्पन्न विवाद का हुआ आयोजन। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने 12 स्टेशनों पर शौचालय से संबंधित सुविधाओं के लिए सुलभ इंटरनेशनल को भेजा किया है। इसके साथ ही यात्रियों से यू रिन के लिए 2 रुपये और शौचालय उपयोग के लिए 5 रुपये वसूले जाएंगे। इस निर्णय को लेकर भाजपा के प्रदेश अध यक्ष बीवाई विजयेंद्र की कड़ी आलोचना हुई है, जिन्होंने इसे मानवीय ज़रूरतों का व्यवसायीकरण बताया। सरकार को मिल रही आलोचना का मुख्य कारण यह है कि पहले ही मेट्रो किरायों में 71 फीसदी की वृद्धि की गई थी। सुविधाओं के लिए अत्यधिक पैसे वसूलने पर सामाजिक संगठनों और जनता में कई उतार-चढ़ाव देखा गया है।

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराए: आरबीआई

ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जानें अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉरस्पोंडेंट की मदद भी ली जा सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अनुरोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियां या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को 'निष्क्रिय' श्रेणी में रखा

जाएगा। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करे। ग्राहकों को निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक अब हुआ स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक

बैंक द्वारा जारी की गई चेकबुक पहले की तरह ही मान्य रहेंगी

नई दिल्ली।

भारत का एक अपना वैश्विक बैंकिंग कार्यक्रम शुरू करने वाले नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड कर लिया है। यह बदलाव भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची के अंतर्गत किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। इस नए नाम के साथ बैंक का इरादा अब पूरे देश में अपनी शाखाओं का विस्ते तार करना है। बैंक बाजार डॉट कॉम के सीईओ का कहना है कि ये तरह के बदलाव एक संगठित प्रक्रिया के तहत होते हैं, जो कई बार छह महीने से एक साल तक चल सकते हैं। इस दौरान ग्राहक अपने पुराने डॉक्युमेंट्स का ही उपयोग कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट ने बताया कि सिर्फ बैंक का नाम बदल जाने से ग्राहकों को तुरंत नए बैंकिंग डॉक्युमेंट्स लेने की कोई आवश्यकता नहीं होती। सभी पुराने दस्तावेज, जिन पर पुराने बैंक का नाम है, पूरी तरह वैध रहते हैं, जब तक कि बैंक कोई और सूचना न दे। भारतीय रिजर्व

बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक द्वारा जारी की गई चेकबुक आदि पहले की तरह ही मान्य रहेंगी।

बैंकिंग सेवाएं में सुधार के लिए वित्त मंत्रालय ने बैंकों को दिए निर्देश

मंत्रालय का उद्देश्य है ग्राहकों को बेहतर और सम्मानजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने हाल ही में सरकारी बैंकों में किए गए गलत व्यवहार के मामलों पर नजर डालते हुए सभी सार्वज निक बैंकों को सख्ती से निर्देश दिया है। मंत्रालय का उद्देश्य है ग्राहकों को बेहतर और सम्मानजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सभी पीएसबी प्रमुखों को कहा कि वे कर्मचारी आचरण के लिए तयशुदा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने बैंकों को शाखाओं के प्रबंधकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। हाल ही में एक एसबीआई शाखा पर आई विवादित घटना ने सार्वजनिक ध्यान आकर्षित किया, जिसमें एक अधिकारी ने ग्राहक से अपमानजनक व्यवहार किया था। बाद में उस अधिकारी ने माफी की मांग की और एसबीआई ने इसे बर्दाश्त नहीं करने का दावा किया। नागराजू ने अचानक दौरे पर दिल्ली के सार्वज निक बैंकों का निरीक्षण किया, जिसमें उन्हें अच्छे और बुरे अनुभव देखने को मिले। ये बैंक अब कर्मचारियों की सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए एआई भी शुरू कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के प्रति उदार होने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहे हैं। इस नए प्रयास से ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलने की उम्मीद है।

फ्यूचर एंड ऑप्शन्स ट्रेडिंग रिटेल निवेशकों के लिए गहरी खाई

वित्त वर्ष 2024 में फ्यूचर एंड ऑप्शंस में 91 फीसदी निवेशकों को घाटा

नई दिल्ली।

सेबी की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में फ्यूचर एंड ऑप्शंस में 91 फीसदी निवेशकों को नुकसान का सामना करना पड़ा है। यह एक चिंताजनक संकेत देता है कि अधिकांश निजी निवेशक इस बाजार में घाटे में हैं। लेकिन अन्य ओर इक्विटी ऑप्शन में जमकर कारोबार करने वाले बड़े खिलाड़ी मुनाफा कूट रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 में इक्विटी ऑप्शन में कारोबार काफी बढ़ गया है, जिससे यह डेरिवेटिव बाजार का सबसे बड़ा हो गया है। सेबी ने उच्च निवेश सीमा और बड़ी लॉट साइज के प्रावधान किए हैं ताकि रिटेल निवेशकों की हतोभय बढ़े। लेकिन इन्हीं कदमों के बावजूद रिटेल निवेशकों का एक भाग भी घाटा हो रहा है। इसके बावजूद विदेशी निवेश फर्मों और उन्नत कंप्यूटर एल्गोरिदम का उपयोग करने वाले कंपनियों के लिए यह कारोबार लाभदायक साबित हो रहा है। इसके साथ ही भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव्स से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट ग्रुप की कमाई की वार्षिक रिपोर्ट के बाद सेबी की जांच उसके खिलाफ शुरू हुई है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऑप्शन ट्रेडिंग कारोबार विदेशी कंपनियों के लिए बेहद लाभदायक साबित हो रहा है जबकि रिटेल निवेशकों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बन गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिषेक के छक्के से कार का कांच टूटा

लखनऊ।

सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक अभिषेक शर्मा ने यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में आक्रामक पारी खेली। अभिषेक ने एक ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे ही एक कार पर जा लगी जिससे उसकी विंडशील्ड टूट गयी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। ये कार आईपीएल प्रायोजक टाटा की नई कार है जिसे मैदान के बाहर प्रदर्शन के लिए रखा गया था। कार सीमा रेखा से काफी दूर थी पर अभिषेक का शॉट इतना तेज था कि गेंद उस तक पहुंच गयी। मैच के दूसरे ही ओवर में अभिषेक ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर हवा में एक बड़ा शॉट खेला जिसके बाद गेंद सीधे उछलकर कार की विंडशील्ड पर लग गयी। इस मैच में हैदराबाद की ओर से अभिषेक और हेड ने तेजी से शुरूआत की। अभिषेक ने इस मैच में 17 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्के लगाकर 34 रन बनाये। वहीं हेड 10 गेंदों पर 17 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल 2025 में 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हर सीजन बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगाया है। 2025 सीजन में अब तक का रिकॉर्ड बना, जिसमें 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जो टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की बढ़ती आक्रामकता को दिखाता है। इससे पहले, 2018 और 2023 में 8-8 खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की, जबकि 2013 और 2024 में 7-7 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा पार किया। दरअसल 2025 सीजन में गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन 638 रन बना चुके हैं, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी 500 से ऊपर रन बना चुके हैं। सूची में तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 583 रन बनाए हैं। मिशेल मार्श 560 रन के साथ चौथे पायदान पर है। 559 रन के साथ यशस्वी जायसवाल सूची में पांचवें नंबर पर हैं। जबकि निकोल्स पूरन 511 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। विराट कोहली भी 505 रन बना चुके हैं। केएल राहुल 504, जोस बटलर 500 रन बना चुके हैं। वहीं आईपीएल के 2018 सीजन में केएल राहुल (659 रन), डेविड वॉर्नर, और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसने उस सीजन को बल्लेबाजी के लिए यादगार बनाया। 2023 में गिल (890 रन) और कोहली (639 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया, और कुल 8 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा छुआ।

इन सीजनों में बल्लेबाजों की निरंतरता और बड़े शॉट्स की रणनीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इतना ही नहीं 2013 सीजन में माइकल हसी और कोहली (634 रन) जैसे खिलाड़ियों ने 500 प्लस रन बनाए, जबकि 2024 में कोहली (741 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (583 रन) ने ऑरेंज कैप की दौड़ में 7 बल्लेबाजों को मुकाम तक पहुंचाया।

सनराइजर्स से हारी आरसीबी, शीर्ष पर रहने की उम्मीदें कम हुई

लखनऊ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए अपने अंतिम लीग मुकाबले में हार गयी। इससे उसके शीर्ष पर रहने की संभावना समाप्त कम हुई हैं। इस मैच में आरसीबी की ओर से विराट कोहली और फिल सॉल्ट ने शानदार पारियां भी टीम की हार के कारण बेकार हो गयीं। इस मैच में सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की सहायता से तेज शुरुआत की पर दोनो ही बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। अभिषेक ने 34 जबकि ट्रेविस हेड ने 17 रन बनाकर। क्लासेन भी 24 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। ईशान किशन ने तेजी से खेलते हुए 48 गेंदों पर 7 चौके और पांच छक्के लगाकर 94 रन बनाये इस प्रकार सनराइजर्स ने 231 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी असफल रही। हैदराबाद की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 28 रन देकर 3 जबकि मलिंगा ने 2 विकेट लिए। आरसी की शुरुआत तेज रहीं। सॉल्ट ने 32 गेंदों पर 62 रन बनाए जबकि विराट ने 25 गेंदों पर 43 रन बनाये। वहीं मयंक अग्रवाल, रोमोरियो शैफर्ड और जितेश शर्मा अधिक रन नहीं बना पाये। इस मैच में आरसीबी का मध्यक्रम असफल रहा। मयंक अग्रवाल 10 रन ही बना पाए वहीं रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 18 रन बनाए। जितेश ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। टिम डेविड 1 और भुवनेश्वर कुमार 3 रन बनाने में सफल रहे। क्रुणाल 8 रन पर हिट विकेट हो गये।

अर्शदीप को इस खूबी के कारण मिली इंग्लैंड दौरे के लिए जगह

मुम्बई।

पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रहे बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इंग्लैंड दौरे के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की जगह शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के अनुसार शमी पूरी तरह से अभी फिट नहीं हैं। ऐसे मे अर्शदीप जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। अर्शदीप को टीम में जगह मिलने का कारण लगातार अच्छा प्रदर्शन करना रहा है। जब उन्हें अवसर मिला है उन्होंने अपने को साबित किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज होने का भी उन्हें लाभ मिला है इससे तेज गेंदबाजी आक्रमण को संतुलन मिलता है। वह ड्यूक्स गेंद के साथ दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में इंग्लैंड के हालातों में जहां स्विंग गेंदबाजी मैच की दिशा तय करती है अर्शदीप काफी फायदेमंद हो सकते हैं। उनकी गेंदबाजी में विविधता से भी बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान नहीं होता। साल 2023 में अर्शदीप ने काउंटी चैंपियनशिप में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच मैच में 13 विकेट लिए। इससे भी उन्हें वहां के हालातों का अधिक अंदाजा हुआ है। जिसके कारण माना जा रह है कि वह टेस्ट सीरीज प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल सत्र में भी अबतक पंजाब किंग्स की ओर से काफी विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट की बात करें तो पिछले साल दलीप ट्रॉफी में अर्शदीप ने जबरस्त गेंदबाजी की थी। उनके अबतक 21 प्रथम श्रेणी मैचों में 66 विकेट हैं।

रोहित-विराट के बगैर भी भारतीय टीम मजबूत

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौरे पर अगले महीने जाने वाली है।

इसकी खास वजह ये है कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं होंगे क्योंकि इन दोनों ही दिग्गज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत मजबूत होगा। भारत के पास बड़ी संख्या में वर्ल्ड क्लास बल्लेबाज हैं।

बेन स्टोक्स 20 जून से शुरू होने वाली इस सीरीज में घरेलू टीम की अगुआई करेंगे। दिसंबर में बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी के बाद टीम में वापसी कर रहे 33 साल के स्टोक्स ने कहा कि कोहली के रूप में भारत को मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने वाले और प्रतिस्पर्धात्मक खिलाड़ी की कमी खलेगी। स्टोक्स ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि भारत के बारे में एक बात यह है कि उनके पास स्तरीय बल्लेबाजों की बड़ी संख्या है, यह अविश्वसनीय है।

स्टोक्स ने कहा कि शुरुआती टेस्ट में भारत को दबाव में लाने की जिम्मेदारी उनके गेंदबाजों पर होगी। उन्होंने कहा कि हम हमेशा टेस्ट मैच की शुरुआत में विपक्षी टीम को आउट करने की कोशिश करते हैं और फिर देखते हैं कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, हम कैसे खुद को ढालते हैं। मुझे पता है कि भारत ने दो बड़े संन्यास का सामना करना पड़ा है।

वे भारतीय टीम और उनकी सफलता का एक अहम हिस्सा रहे हैं। कोहली की प्रतिस्पर्धी होने की क्षमता ने पिछले कुछ सालों में टीम की सफलता में बहुत योगदान दिया है।

स्टोक्स ने आगे कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से मैदान पर उनकी कमी महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को शायद मैच में उनकी मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने की क्षमता, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता, जीतने की इच्छा की कमी खलेगी। उन्होंने नंबर 18 जर्सी को अपना बना लिया है, है ना?

स्टोक्स ने कहा कि इसलिए हमने किसी भी भारतीय शर्ट के पीछे नंबर 18 नहीं देखा है। उनके खिलाफ नहीं खेलना निराशाजनक होगा क्योंकि हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं, हम दोनों की मैदान पर एक जैसी मानसिकता होती है।

संक्षिप्त समाचार

पोलैंडः ओरलेन मेमोरियल भाला फेंक में दूसरे स्थान पर रहे नीरज

वारसा। भारत के शीर्ष भाला फैंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहला स्थान हासिल किया। नीरज इस स्पर्धा में लय में नहीं थे। वह अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका जिससे वह दूसरे स्थान पर आ पाये। वह अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में 81.28 मीटर और 81.80 मीटर तक ही भाला फेंक पाये। इसके अलावा उनके बचे हुए तीन प्रयास फाउल रहे थे। वहीं जर्मनी के वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी तक थ्रो के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया । इस मुकाबले में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 83.24 मीटर तक भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने पिछले साल 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर तक भाला फेंका था। उसके बाद ये पहली बार है जब नीरज किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का थ्रो कर पाये हैं। उन्होंने इस साल पहली बार दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका था।

वेस्टइंडीज के मैथ्यू ने डिविलियर्स के रिकार्ड की बराबरी की

जमैका। वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 16 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इसी के साथ ही मैथ्यू ने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के सबसे तेजी से अर्धशतक लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। डिविलियर्स ने यह रिकॉर्ड साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने 16 गेंदों में पचास रन पूरे किये थे। वेस्टइंडीज ने इस मुकाबले में केसी कार्टी के 102 और फोर्ड के 19 गेंदों में 58 रनों की सहायता से 8 विकेट पर 352 रन बनाए हालांकि इसके बाद भी उसे बारिश की बाधा के कारण जीत नहीं मिल पायी। फोर्ड ने इस मैच में लगातार दो छक्के लगाकर सबसे तेजी से 50 रन बनाने के डिविलियर्स के रिकार्ड की बराबरी की। फोर्ड ने अपनी पारी की शुरुआत से ही छक्के लगाना शुरु किया। उन्होंने बैरी मैकार्थी की दूसरी गेंद पर ही छक्का लगा दिया। इसके बाद जोश लिटिल के एक ओवर में ही चार छक्के जड़ दिये। इसके बाद थॉमस मेयस की लगातार दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाया। फोर्ड ने 19 गेंदों में 2 चौके और 8 छक्के लगाकर 58 रन बनाये। फोर्ड के इस मैच में 96.55 फीसदी रन बाउंड्री से बने। इससे पहले यह रिकॉर्ड 96.15 फीसदी का आंद्रे फ्लेचर का था। फ्लेचर ने ये रिकार्ड साल 2009 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। इस मैच में बारिश की बाधा के कारण आयरलैंड की टीम बल्लेबाजी नहीं कर सकती जिससे इस मैच का परिणाम नहीं निकला।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम , शुभमन बने भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान, ऋषभ उपकप्तान

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के नये उपकप्तान होंगे। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए युवाओं पर भरोसा जताया है। इससे पहले माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। बुमराह के अलावा केएल राहुल भी कप्तानी के दावेदार थे। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के बाद से ही माना जा रहा था कि भविष्य को देखते हुए बीसीसीआई शुभमन को कप्तान बनायगा और ये बात सही साबित हुई। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसका पहला मैच 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगा। अगरकर ने कप्तान के नाम की घोषणा करते हुए कहा कि शुभमन टीम के कप्तान रहेंगे और ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी मैच के लिए उपलब्ध रह पायेंगे। राहुल के बारे में अगरकर ने कहा कि राहुल ने पहले कप्तानी की, लेकिन तब मैं वहां नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। बुमराह के लिए फिट गेंदबाज के रूप में रहना अधिक महत्वपूर्ण है उनपर कप्तानी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। अगरकर ने जोर देकर कहा कि कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए चुना जाता है। उन्होंने कहा कि आप कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं चुनते, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि शुभमन समय के साथ सीखेंगे।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि विराट ने अप्रैल में ही अपनी संन्यास की योजना को लेकर जानकारी दे दी थी। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने को लेकर अगरकर ने कहा कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है। हाल में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप को शामिल किया गया है।

आरबीसी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले क्लब में पहुंचे ईशान

मुम्बई।

सनराजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड बनाया है। ईशान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में शामिल हो गये हैं। आरसीबी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ अब तक सबसे अधिक 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटलस के केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस सूची में ईशान भी शामिल हो गये हैं। ईशान के नाम 32 छक्के हैं। ईशान ने 14 मैच में ही ये आंकड़ा हासिल किया है। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। बटलर और कीरोन पोलार्ड ने भी 32-32 छक्के लगाये हैं। ईशान किशन ने कहा कि जब आप पारी की शुरुआत के के लिए पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप रन गति बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे। जब विकेट गिर रहे होते हैं तो आपका रवैया बदल जाता है पर आप लय बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इसके लिए आपको कुछ बड़े शॉट खेलने की जरूरत होती है। जब आप अभ्यास सत्र में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो इससे भी आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहता है। ईशान ने कहा कि मैं सिर्फ अच्छे शॉट खेलने के बारे में सोच रहा था। ईशान इस मैच में 94 रन बनाकर आउट हुए।

विराट को गेंद लगने पर घबरायी अनुष्का

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में एक गेंद लग गयी। जिसको देखकर स्टेडियम में बैठी उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा परेशान हो गयीं। इस मैच के दौराज जब गेंद विराट कोहली के हेलमेट पर लगी तो अनुष्का घबरा गयीं। इससे विराट के प्रशंसक भी परेशान हो उठे। वायरल क्लिप में कोहली के हेलमेट पर जैसे ही गेंद लगती है, अनुष्का काफी परेशान हो जाती हैं विराट ने इस मैच में 25 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की सहायता से 43 रन बनाए हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। विराट ने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी की है और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर चिंता के भाव के साफ नजर आये। एक प्रशंसक ने विराट के हेलमेट पर गेंद लगने के बाद अनुष्का की एक तस्वीर साझा की और लिखा, 'विराट के हेलमेट पर गेंद लगने पर अनुष्का घबराईं। गौरतब है कि कुछ समय पहले ही विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। जिसके बाद वह अपनी पत्नी अनुष्का के साथ वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के दर्शनों के लिए पहुंचे थे। तब कोहली ने अपनी पोस्ट में लिखा था। 'टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के 14 साल हुएए। इस फॉर्मेट ने मुझे वो सिखाया है जो जो जिंदगी भर साथ रहेगा। इस मैदान पर सफेद कपड़ों में खेलना हमेशा खास रहेगा। संन्या का फैसला लेना आसान नहीं, लेकिन सही लगता है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए श्रेयस और सरफराज को जगह नहीं मिलने से प्रशंसक हैरान

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी श्रेयस अय्यर सहित इन खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। श्रेयस अभी आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तान हैं और उन्होंने इस सत्र में काफी रन बनाये हैं। उन्होंने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी के 5 मैचों में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए थे। टीम में वापसी के बाद से ही श्रेयस ने जिस प्रकार चैम्पियंस ट्रॉफी सहित सभी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया उससे माना जा रहा था कि उन्हें टेस्ट टीम में जगह मिलेगी पर ऐसा नहीं हुआ। इससे श्रेयस के प्रशंसक निराश होने के साथ ही हैरान हैं।

वहीं बल्लेबाज सरफराज खान ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। अब तक जो भी टेस्ट उन्हें खेलने मिले हैं उसमें सरफराज का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। सरफराज ने रणजी के अलावा अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में भी काफी रन बनाये हैं और इसके बाद भी उनकी लगातार उपेक्षा से सभी हैरान हैं।

वहीं स्पिनर अक्षर पटेल ने भी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ऐसे में वह स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा के विकल्प भी माने जाते है। उभरते हुए तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए टीम में जगज मिली और ऐसे में माना जा रहा था कि इस गेंदबाज को टीम में जगह मिलेगी पर ये गलत साबित हुआ।

हरमनप्रीत की कप्तानी में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली।

अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड के एम्सटेलीवन और बेल्जियम के एंटवर्प में 7 से 22 जून तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इसके लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम की उपकप्तानी मिडफील्डर हार्दिक सिंह को दी है। भारतीय टीम अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत में सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों खेलेंगा। इसके बाद 11 और 12 जून को एम्सटेलवीन में अर्जेंटीना से उसके दो मैच होंगे। भारतीय टीम टीम 14 और 15 जून को एंटवर्प जाएगी और फिर 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी। टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को शामिल किया गया है। वहीं सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, कप्तान हरमनप्रीत सिंह,जरमनप्रीत सिंह, संजय और यशदीप सिवाच रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मिडफील्ड में राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, उप कप्तान हार्दिक सिंह, युवा प्रतिभावान राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह को शामिल किया गया है। फॉरवर्ड के तौर पर गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह रहेंगे। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर खुशी जतायी ओर कहा कि टीम को प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दो स्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

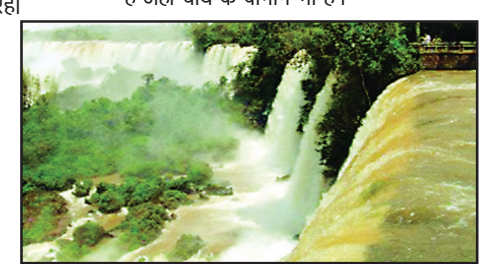

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में पीएम मोदी ने की अध्यक्षता, ममता रहीं नदारद

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक का प्रमुख एजेंडा था- 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत एट द रेट 2047'। इस अहम बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसमें भाग नहीं लिया, जिससे एक बार फिर केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव की अटकलें तेज हो गई हैं।

नीती आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में सभी राज्यों से संविधान की भावना के अनुरूप सहकारी संघवाद को आगे बढ़ाने और साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह बैठक विकसित भारत एट द रेट 2047 की अवधारणा को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग पर केंद्रित रही। बैठक में 2025-26 के बजट की प्रमुख पहल, आर्थिक विकास की चुनौतियाँ, और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का असर जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वर्तमान में अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों में आर्थिक सुस्ती के चलते वैश्विक मंदी की आहट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने भारत की 2025-26 के लिए विकास दर के अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, नीति आयोग और भारत सरकार का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.2 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के दायरे में बनी रह सकती है, जो वैश्विक परिस्थितियों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।

ममता की गैर मौजूदगी का कारण स्पष्ट नहीं

राज्य सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया, लेकिन इसके पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की गई है। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं लिया हो। इससे पहले भी कुछ अवसरों पर उन्होंने अपने विरोध या असहमति का संकेत देने के लिए केंद्रीय बैठकों से दूरी बनाई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी 10 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश गवर्निंग काउंसिल की बैठक से अनुपस्थित रहे थे। यह दर्शाता है कि नीति आयोग की बैठकों को लेकर राजनीतिक दलों के रुख में विभिन्नता बनी हुई है। डीएमके नेता स्टालिन ने लिया हिस्सा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन बैठक में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचते ही डीएमके नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्टालिन ने दिल्ली में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मुलाकात की और इसे परिवार के साथ होने जैसा बताया।

संक्षिप्त समाचार

बवाना की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, धमाकों से भरभराकर गिरी बिल्डिंग

नई दिल्ली।

बवाना में डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर-2 में शनिवार तड़के एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इसके बाद एक के बाद एक धमाके होने लगे और थोड़ी ही देर में बिल्डिंग भरभराकर गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से इमारत के अंदर विस्फोट हुआ, जिसके कारण इमारत ढह गई। दमकल की 17 गाड़िया आग बुझाने में जुटी हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। फैक्ट्री में आग लगने के चलते अंदर से ऊंची-ऊंची लपटें उठती दिखीं और चारों और काले धुएं का गुबार छाने लगा। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही फायर की 17 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग लगने के दौरान इमारत के अंदर हुए कुछ धमाकों के कारण इमारत ढह गई। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने बताया, आज सुबह 4.48 बजे आग की सूचना मिलने के बाद सेक्टर-2 में 17 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

मलकापुर में आरक्षण केन द्र में जांच के दौरान दो दलाल गिरफ्तार

मुंबई।

सेंट्रल रेलवे ने मलकापुर में आरक्षण केन द्र (पीआरएस) में जांच के दौरान दो दलालों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सतर्कता दल द्वारा की गई है। जांच के दौरान टीम ने मलकापुर से खरीदे गए 3960 रुपये मूल्य के एसी तत्काल टिकट बरामद किए। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान सरगना संजय चांडक और प्रसाद काले के रूप में हुई। संजय चांडक ने एक मुंबई स्थित दलाल के साथ अपने संबंधों का खुलासा किया, जिसे व्यापक दलाली नेटवर्क के पीछे मास्टरमाइंड माना जाता है। चांडक की पूछताछ में मालूम हुआ कि उसने अवैध रूप से बुक की गई 182 टिकटों की तस्वीरें भेजी थीं, जिनमें 1,61,535/- रुपये की कीमत के 23 टिकट और 8,48,298/- रुपये की कीमत के 159 पुराने टिकट शामिल थे। इस दलाली रैकेट में शामिल दो पकड़े गए व्यक्तियों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के निरीक्षक को सौंप दिया गया है। रपीएफ मलकापुर द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

सीबीएसई ने भाषा को लेकर जारी की गाइडलाइन, स्कूल हर माह देंगे रिपोर्ट

नई दिल्ली।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) के तहत 3 से 11 साल तक के बच्चों की पढ़ाई की भाषा को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें सभी स्कूलों से कहा गया है कि वे शैक्षणिक सत्र 2025-26 से बच्चों की पठन पाठन की भाषा को लेकर एनसीएफ में दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करें। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे मई अंत तक विद्यालय में एक समिति बनाएंगे जो एनसीएफ लागू करने पर काम करेगी। समिति छात्रों की मातृभाषा, संसाधन और करिकुलम का कार्य करेगी। यह समिति छात्रों की भाषाई जरूरतों का आकलन करेगी और भाषा शिक्षण सामग्री तैयार करवाएगी। नई गाइडलाइन का मकसद सभी छात्रों को उनकी मातृभाषा में मजबूत आधार देना है। नई गाइडलाइन में शिक्षकों को ट्रेनिंग देने के अलावा यह भी कहा गया है कि स्कूल जुलाई माह से हर महीने की पांच तारीख तक एनसीएफ लागू करने की स्टेट रिपोर्ट बोर्ड को भेजेंगे। रिपोर्ट को लेकर बोर्ड ने एक लिंक भी जारी किया है।सीबीएसई ने कहा कि गर्मियों की छुट्टी के अंत तक विद्यालयों को पाठ्यक्रम और शिक्षण सामग्री को तैयार कर लेना चाहिए ताकि आर1 लेंग्वेज का इस्तेमाल मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन (दिशानिर्देशों की भाषा) के रूप में किया जा सके। साथ ही सही समय पर बच्चों को आर 2 लेंग्वेज से रूबरू कराया जा सके। इनके लागू किए जाने से पहले शिक्षक को ट्रेनिंग व वर्कशॉप भी पूरी की जानी चाहिए। ट्रेनिंग में बहुभाषी शिक्षण, क्लासरूम स्ट्रेटिजी और भाषा मूल्यांकन पर फोकस किया जाना चाहिए।

न्यायालय की अवहेलना पर आईएएस को हुई एक महीने की सजा, जुर्माना भी लगा

चेन्नई।

करीब 4 दशक पुराने एक मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने आईएएस अंशुल मिश्रा को एक महीने की साधारण सजा सुनाते हुए जुर्माना लगाया है। साथ ही कोर्ट ने उनके वेतन से याचिकाकर्ताओं को 25,000 रुपये का मुआवज़ा देने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने सजा पर 30 दिन की राहत दी है ताकि अधिकारी अपील कर सकें। यह मामला वर्ष 1983 से जुड़ा है, जब तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड ने चेन्नई के एक इलाके में याचिकाकर्ता भाई-बहन आर. ललितांबाई और के.एस. विश्वनाथन की 17 सेंट (लगभग 7400 वर्ग फुट) जमीन अधिग्रहित की थी। जमीन पर बहुमंजिला आवास बनाए गए, लेकिन कई दशकों तक वह उपयोग में नहीं लाए गए। याचिकाकर्ताओं ने जमीन के मालिकाना हक की वापसी की मांग करते हुए चेन्नई मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी को आवेदन दिया। हाईकोर्ट ने नवंबर 2023 में निर्देश दिया था कि वह याचिकाकर्ताओं की मांग पर विचार करते हुए दो महीने के भीतर निर्णय ले। लेकिन विभाग की ओर से इस आदेश का कोई पालन नहीं हुआ। इसके चलते याचिकाकर्ताओं ने अगस्त 2024 में अदालत में अवमानना याचिका दाखिल की।मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने कहा, यह एक दुखद स्थिति है कि गरीब और पीड़ित लोग अपनी वास्तविक शिकायतों के समाधान के लिए सरकारी विभागों के चक्कर काटते हैं। जब वे अदालत की शरण लेते हैं और अदालत आदेश देती है तब भी अधिकारियों द्वारा उन आदेशों की अवहेलना की जाती है। यह जनता के अधिकारों के साथ अन्याय है और न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाता है।कोर्ट ने कहा कि यह कोई एकल घटना नहीं है, बल्कि अधिकारियों द्वारा आदेशों की अनदेखी एक आम प्रवृत्ति बनती जा रही है। ऐसे व्यवहार से न्याय व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने कहा, लोक सेवा कोई विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि जनता द्वारा अधिकारियों पर सौंपी गई एक जिम्मेदारी और भरोसा है।

भारत में आतंकवादी भेजने वाला आज खुद धमाकों से दहल रहा

रिपोर्ट में खुलासा- 2024 में सैकड़ों पाकिस्तानी इन विस्फोटों का हुए शिकार

नई दिल्ली।

पाकिस्तान हाल के दिनों में धमाकों से दहल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में पाकिस्तान विस्फोटक हथियारों से नागरिकों को नुकसान पहुंचने के मामले में दुनिया का सातवां सबसे ज्यादा प्रभावित देश बन गया है। एक रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल 790 पाकिस्तानी नागरिक इन विस्फोटों में मारे गए। उस साल वहां 248 ऐसी घटनाएं हुई, जो कि 2023 की तुलना में 11 फीसदी ज्यादा हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन घटनाओं में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का प्रमुख हाथ है। बीएलए ने अकेले 119 नागरिकों को नुकसान पहुंचाया। बीएलए द्वारा की जाने वाली हिंसा में 440 फीसदी की वृद्धि देखी गई। 2023 में 22 घटनाओं के मुकाबले 2024 में 119 नागरिक ऐसी घटनाओं से प्रभावित हुए। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में पाकिस्तान में हुए सभी आत्मघाती हमलों के पीछे बीएलए ने प्रमुख भूमिका निभाई। 2024 में पाकिस्तान में 2014 के बाद सबसे ज्यादा 248 घटनाएं हुई। 2018 के बाद दूसरा सबसे बड़ा ऐसी घटनाओं साल रहा जिसमें नागरिकों की ज्यादा मौत हुई। 2015 के बाद दूसरे सबसे ज्यादा

सशस्त्र बल के सदस्य मारे गए। रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों और बीएलए की सक्रियता न केवल स्थानीय शांति के लिए खतरा है, बल्कि क्षेत्रीय अस्थिरता को भी बढ़ावा दे रही है। विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे क्षेत्रों में बढ़ती हिंसा और आत्मघाती हमलों ने सुरक्षा बलों और आम नागरिकों दोनों को निशाना बनाया है।

साथी को बचाने में खुद जान देने वाले लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का अयोध्या में बनेगा स्मारक

अयोध्या।

सिक्किम में तैनात अयोध्या के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने साथी की जान बचाने के लिए खुद के जीवन की परवाह नहीं की। उनका एक साथी अचानक नदी में गिर गया। लेफ्टिनेंट तिवारी ने देखते ही नदी में छलांग लगा दी। नदी की तेज धार में वह तैर नहीं पाए और उनकी जान चली गई। शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अयोध्या में उनका स्मारक बनाया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से उनके परिवार को 50 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। बता दें कि 22 साल के लेफ्टिनेंट तिवारी छह महीने पहले दिसंबर में ही कमीशन हुए थे। उनकी पहली तैनाती सिक्किम स्काउट्स में हुई थी।अयोध्या सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने कहा कि लेफ्टिनेंट तिवारी के पिता जंग बहादुर तिवारी मर्चेंट नेवी में हैं और इस समय अमेरिक में थे। लेफ्टिनेंट तिवारी का पार्थिव शरीर बागडोगरा एयरपोर्ट से सीधा अयोध्या लाया गया था। इसके बाद रातभर पार्थिव शरीर को फैजाबाद मिलिट्री हॉस्पिटल में रखा गया। शुक्रवार देर रात उनका पार्थिव शरीर अयोध्या पहुंचा। शनिवार को जामतारा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। लेफ्टिनेंट तिवारी अपने मां-बाप के इकलौते बेटे थे। आर्मी की तरफ से कहा गया कि बहुत कम उम्र और सेवा के कम दिनों में ही लेफ्टिनेंट तिवारी ने जो बहादुरी दिखाई है वह सलाम करने लायक है। वह युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने सहयोग की भावना और बहादुरी की मिसाल पेश की है।

भारत में फिर से फैल रहा कोरोना, डॉक्टरों ने यात्रा से बचने और सुरक्षा रखने को कहा

नई दिल्ली।

कोरोना ने फिर से एशियाई देशों और भारत में तेजी से पैर पसार रहा है। हांगकांग, सिंगापुर,थाईलैंड जैसे देशों में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। भारत में भी केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में संक्रमण की संख्या बढ़ रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड-19 डैशबोर्ड के मुताबिक 19 मई तक देश में सक्रिय मामलों की संख्या 257 पहुंची है। खासकर केरल में 12 मई से अब तक 69 नए मामले दर्ज किए गए हैं, वहीं महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 नए संक्रमित मिले हैं। इस बढ़ती हुई संख्या ने लोगों में चिंता बढ़ा दी है और ट्रैवल को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन्हें अभी 'चिंता का वेरिएंट' नहीं माना है, लेकिन इसकी तेजी से फैलने की क्षमता ने मोदी सरकारों को सतर्क कर दिया है। इसके चलते निगरानी और टेस्टिंग के उपाय मजबूत किए जा रहे हैं ताकि संक्रमण को रोक सके। हाल के दिनों में इस नई लहर में कुछ चर्चित हस्तियां भी संक्रमित हुई हैं, जिसमें बिग बॉस 18 की

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर और आईपीएल टीम हैदराबाद के बल्लेबाज ट्रेविस हेड शामिल हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि वायरस अभी भी सक्रिय है और सावधानी बरतना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में ट्रैवल प्लान करने से पहले दो बार सोचने की जरूरत है, खासकर उन देशों की यात्रा जहां संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

डॉक्टरों का कहना हैं कि इम्यूनिटी को मजबूत रखने पर विशेष ध्यान दें। इसके साथ ही मास्क पहनना, हाथ धोते रहना और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना बेहद जरूरी है। यात्रा अनिवार्य हो तो इन्हीं सावधानियों का पालन करें ताकि संक्रमण से बचा जा सके। फिलहाल स्थिति देखते हुए, अगर यात्रा टाली जा सके बेहतर होगा।

एनकाउंटर में मारा गया 15 लाख का इनामी जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा

लातेहार।

झारखंड पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में जेजेएमपी का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और उसका एक साथ एनकाउंटर में मारा गया। घटना शनिवार सुबह लातेहार के इचाबार सलैया के जंगलों में हुई है। पप्पू लोहरा पहले नक्सली था। बीते सालों बूढ़ा पहाड़ पर नक्सलियों के खात्मे के बाद लोहरा ने अपना अलग संगठन बना लिया था। संगठन बनाने के बाद लोहर अवैध वसूली के साथ-साथ कई अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि जबसे पप्पू ने अपना संगठन बनाया है, उसका गैंग लोगों से लूटपाट करता है। मामला लातेहार के इचाबार सलैया जंगल का है। शनिवार सुबह पुलिस और उग्रवादियों के भीषण मुठभेड़ देखने को मिली। इस मुठभेड़ में झारखंड पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने दो उग्रवादियों को ढेर कर दिया है। इस घटना में उग्रवादी संगठन जेजेएमपी का सुप्रीमो पप्पू लोहरा भी मारा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पप्पू लोहरा पर कुल 15 लाख रुपए का इनाम था।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा अपने साथियों के साथ लातेहार के इचाबार सलैया जंगल में छिपा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने जंगल में सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान पुलिस और लोहरा गैंग के बीच भीषण मुठभेड़ देखने को मिली। काफी देर तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस के जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया। जब शव की पहचान की गई तो पता चला कि मारे गए दोनों उग्रवादियों में से एक जेजेएमपी का सुप्रीम लीडर पप्पू लोहरा है। इसके बाद पुलिस के जवानों के चेहरे पर खुशी थी।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में भी नक्सलियों और जवानों के बीच भीषण मुठभेड़ की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीते कुछ महीनों में यहां जवानों ने सैकड़ों की संख्या में नक्सलियों को मार गिराया है। इसके अलावा हजारों की संख्या में नक्सलियों ने समर्पण भी किया है। बीते दिनों छत्तीसगढ़ में जवानों ने 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया था।

दिल्ली की फायर सर्विस होगी मजबूत, आग बुझाने की वैश्विक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी

नई दिल्ली।

दिल्ली में आए दिन आग की घटनाएं होती हैं। कई बार तमाम प्रयासों के बाद भी आग बुझाने में लंबा वक्त लग जाता है। ऐसा न हो इसके लिए दिल्ली सरकार आग बुझाने की वैश्विक सुविधाएं मुहैया कराई जाने के लिए प्रयास शुरु हो गए हैं। दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली फायर सर्विसेज का अपग्रेड कर देश विदेश की आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा।सूद ने अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद शुक्रवार को कहा कि दिल्ली फायर सेवा ने आधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ ही फायर ब्रिगेड की नई गाड़ियों की खरीद पर निर्णय लिया जा रहा है। इसमें कुछ गाड़ियां विदेशी तकनीक और कुछ गाड़ी स्वदेशी तकनीक से लैस होंगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस को आधुनिक तकनीक से लैस करने के लिए फायर ब्रिगेड के बेड़े में 17 नए वाटर बाउजर, 4 एरियल वाटर टावर और 24 नए क्विक रिस्पांस वीकल शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड के बेड़े में कई रोबोटिक वाहन भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि जैसे-जैसे दिल्ली की जनसंख्या बढ़ रही है वैसे-वैसे ही हमें आग पर काबू पाने के लिए नई तकनीक का प्रयोग करना होगा। दिल्ली की तंग गलियों से लेकर भीड़ भाड़ वाले बाजारों के लिए छोटी गाड़ियों के इस्तेमाल पर भी जोर देना होगा ताकि आग लगने की घटना होने पर तुरंत घटनास्थल पर गाड़ियां पहुंच सकें। सूद ने कहा कि अग्निकांड जैसे हादसा होने पर त्वरित कार्रवाई करने की भी योजना बनाने की जरूरत है, ताकि दुर्घटना होने पर जल्द से जल्द लोगों को बचाया जा सके। सूद ने बताया कि बैठक में दिल्ली फायर सर्विस को स्टेट ऑफ दी आर्ट सर्विस बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। इस संबंध में निदेशक फायर सर्विस को कहा गया है कि देश के विभिन्न राज्यों की फायर सर्विस प्रणाली का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि उस राज्य की नई-नई तकनीकों को

दिल्ली फायर सर्विस में लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस निदेशक अगले 15 से 20 साल की योजना और बढ़ती हुई आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना बनाएं।

चाईबासा कोर्ट के गैर-जमानती वारंट से राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें

26 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश

रांची।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए विशेष अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है और उन्हें 26 जून 2025 को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है।

यह वारंट राहुल गांधी की लगातार अनुपस्थिति और अदालत द्वारा जारी समन की अवहेलना के चलते जारी किया गया। राहुल गांधी के वकील द्वारा दाखिल व्यक्तिगत पेशी से छूट की अर्जी को न्यायिक दंडाधिकारी ने खारिज कर दिया। इससे पहले भी उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए।

मामला किससे जुड़ा है?

यह पूरा मामला 28 मार्च 2018 को दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। इस भाषण के बाद भाजपा नेता प्रताप कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा सीजेएम कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मुकदमे को झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर फरवरी 2020 में रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। बाद में चाईबासा में जब एमपी-एमएलए कोर्ट की शुरुआत हुई तो मामला पुनः वहीं स्थानांतरित कर दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सीआईए भवन के बाहर व्यक्ति को मारी गोली

रिचमंड, एजेंसी। वर्जीनिया के लैंगली में सीआईए मुख्यालय भवन के बाहर बृहस्पतिवार को सुरक्षा कर्मियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। माडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि यह घटना सुबह 4 बजे के आसपास हुई। वहीं, खुफिया एजेंसी ने कहा कि गोलीबारी की यह घटना इस्राइली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या के दो दिन बाद हुई, लेकिन ये घटनाएं आपस में जुड़ी नहीं हैं, दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं।

बल प्रयोग, धमकी से कोई पाक को मजबूर नहीं कर सकता : मुनीर

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के साथ हाल के संघर्ष के बाद बृहस्पतिवार को पहली बैठक में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने कहा कि कोई भी पाकिस्तान को बल प्रयोग या धमकी के जरिये मजबूर नहीं कर सकता। सैन्य मुख्यालय में 270वें कोर कमांडरों के सम्मेलन के दौरान मुनीर ने कहा कि उनका देश अपने महत्वपूर्ण हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करने में सक्षम है।

पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बारिश-बाढ़, 24 घंटों में एक माह की वर्षा

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर रिकॉर्ड बाढ़ के पानी में तीन लोगों की मौत हो गई और एक लापता है। अभी क्षेत्र में और भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मंगलवार से ही इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है। आपातकालीन सेवा मंत्री जिहाद दीब ने कहा, 24 घंटों में एक माह की बारिश हुई ?है। छतों-में फंसे लोगों के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है।

कोस्टा रिका पुलिस ने पांच कैपीबार्स और ड्रग्स जब्त की

कोस्टा रिका, एजेंसी। कोस्टा रिका पुलिस ने एक गाड़ी से पांच कैपीबार्स, कोकीन और मारीजुआना जब्त की है। पुलिस ने हाइवे पर एक गाड़ी का पीछा कर इन्हें जब्त किया। कैपीबार्स अर्ध-जलीय इलाकों में रहने वाले जानवर हैं, लेकिन ये कोस्टा रिका में नहीं पाए जाए। ऐसे में कोस्टा रिका में इन जानवरों को लाना-ले जाना अवैध है और इनकी तस्करी कानूनन अपराध है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कैपीबार्स कोस्टा रिका में नहीं पाए जाते हैं, ऐसे में इन जानवरों को पर्यावरण संरक्षण केंद्रों पर रखा जा सकता है।

अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का फिर लिया श्रेय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की है। अमेरिका विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे, उत्साहजनक बात ये है कि अमेरिका की मदद से संघर्ष विराम हुआ, जो अभी तक जारी है। हालांकि जैसा की दुनिया ने देखा है कि एक मुद्दा है, जो हल नहीं हुआ है, लेकिन इसके हल होने की संभावना बढ़ गई है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय में नौकरशाह बदले

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने विदेश मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाह को बदल दिया है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को बड़ा बदलाव करते हुए एक वरिष्ठ राजनयिक को अस्थायी रूप से नियमित कर्तव्यों का निर्वहन करने की जिम्मेदारी सौंपी। सरकार की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने अपनी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया है। अब अगले आदेश तक एम रूहुल आलम सिद्दीकी विदेश सचिव के नियमित कार्यों का निर्वहन करेंगे।

अमेरिका में तीन हत्याओं के दोषी को दी गई मौत की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। टेनेसी राज्य में ऑस्कर स्मिथ को 1989 में अपनी पत्नी और दो सौतेले बेटों की हत्या के मामले में मौत की सजा दी गई। 75 वर्षीय स्मिथ को गुरुवार सुबह इंजेक्शन के जरिए फांसी दी गई। उन्होंने मरते वक्त खुद को निर्दोष बताया और कहा, मैंने उन्हें नहीं मारा। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय व्यवस्था ठीक से काम नहीं करती। हालांकि, अदालत ने उनके खिलाफ सबूतों को ठोस माना था। 2022 में फांसी टाल दी गई थी क्योंकि जहरीले इंजेक्शन की जांच अधूरी थी। नई फांसी नीति भी विवादों में है और इस पर एक मुकदमा जनवरी 2026 में सुना जाएगा।

दक्षिण पश्चिम चीन में भूस्खलन के कारण चार लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, बृहस्पतिवार को चांगशी कस्बे में दो शव मिले और पास के किंगयांग गांव में दो अन्य लोगों के शव मिले। उसने बताया कि मलबे में दबे 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। चीन के दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में भूस्खलन के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, बृहस्पतिवार को चांगशी कस्बे में दो शव मिले और पास के किंगयांग गांव में दो अन्य लोगों के शव मिले। उसने बताया कि मलबे में दबे 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं।

क्या मुहम्मद यूनुस इस्तीफा देंगे?

बांग्लादेश के सेना प्रमुख के साथ मतभेदों के बीच अटकलें तेज़ हुई

ढाका, एजेंसी। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में एक बार फिर से गतिरोध बढता दिखाई दे रहा है। लगत रहा है एक बार फिर से बांग्लादेश की सत्ता में परिवर्तन होने जा रहा है। अभी पुरी तरह से खबरों की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर-उज़-ज़मान द्वारा अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को दिए गए अल्टीमेटम के बाद, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता अपने पद से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी सीपी पार्टी के प्रमुख निहद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला सेवा को बताया कि यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें काम करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि राजनीतिक दल एक आम सहमति पर पहुंचने में विफल रहे हैं।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस के संभावित इस्तीफे को लेकर ढाका में अटकलों का बाजार गर्म है। अफवाहों के बीच, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने गुरुवार शाम (22 मई) को यूनुस से उनके आधिकारिक आवास जमुना में मुलाकात की। रिपोर्ट बताती है कि गुरुवार दोपहर से ही सोशल मीडिया पर यूनुस के इस्तीफे की अटकलें व्यापक रूप से फैल रही हैं, जिस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं और टिप्पणियां सामने आ रही हैं। बढ़ती अनिश्चितता के मद्देनजर, नाहिद इस्लाम ने मुख्य सलाहकार से सीधे बात करने के लिए जमुना का दौरा

किया। यह खुलासा नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के नेता निद इस्लाम ने दिन में पहले यूनुस से मुलाकात के बाद किया।

इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला से कहा, हम आज सुबह से सर के इस्तीफे के बारे में सुन रहे हैं, इसलिए मैं उनसे इस पर चर्चा करने के लिए मिलने गया था। उन्होंने मुझे बताया कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि मौजूदा स्थिति ऐसी है कि वे काम करना जारी नहीं रख सकते। एनसीपी ने यूनुस से मजबूत बने रहने का आग्रह किया इस्लाम, जो इस साल की शुरुआत में यूनुस के अनौपचारिक संरक्षण में प्रमुखता से उभरे हैं, ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने मामलों की स्थिति के बारे में वास्तविक चिंता व्यक्त की है। इस्लाम ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक राजनीतिक दल एक आम जमीन पर नहीं पहुंच जाते, वे काम नहीं कर पाएंगे।

यूनुस की आशंकाओं के बावजूद, एनसीपी संयोजक ने उनसे दृढ़ रहने का आग्रह किया। इस्लाम ने कहा, मैंने उनसे देश की सुरक्षा, इसके भविष्य और जन-विद्रोह द्वारा जगाई गई उम्मीदों का सम्मान करने के लिए मजबूत बने रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राजनीतिक दल अंततः एकजुट होंगे और यूनुस को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। इस्लाम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सभी लोग साथ आएंगे और उनका समर्थन करेंगे। हालांकि, एनसीपी नेता ने कहा कि अगर यूनुस अपना काम नहीं कर सकते तो उनके पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर राजनीतिक पार्टी चाहती है कि वे अभी इस्तीफा दे दें...तो वे क्यों पद पर बने रहेंगे, अगर उन्हें भरोसे का वह स्थान, आश्वासन का वह स्थान नहीं मिलता? हालांकि बैठक का विवरण अस्पष्ट है, लेकिन ढाका के सूत्रों ने न्यूज18 को बताया है कि यूनुस ने सरकार में बने रहने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नाहिद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया कि यूनुस इस्तीफा देने के बारे में सोच रहे हैं। इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया कि मुख्य सलाहकार ने चिंता व्यक्त की है कि देश में मौजूदा स्थिति में वे काम नहीं कर पाएंगे।

इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया, उन्होंने कहा कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगा कि स्थिति ऐसी है कि वे काम नहीं कर पाएंगे। हालांकि, इस्लाम ने कहा कि उन्होंने यूनुस से अनुरोध किया कि वे इस्तीफे जैसा बड़ा फैसला न लें। पिछले कुछ हफ्तों से अंतरिम प्रशासन के भीतर तनाव बढ़ रहा है। उल्लेखनीय रूप से, यूनुस और बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर-उज़-ज़मान के बीच मतभेद तेज़ी से स्पष्ट हो रहे हैं। प्रस्तावित मानवीय गलियारे को लेकर अन्य राजनीतिक समूहों में भी असंतोष बढ़ रहा है, जो एक महत्वपूर्ण विवाद का विषय है।

सूत्रों के अनुसार, सेना प्रमुख ने अंतरिम सरकार पर महत्वपूर्ण निर्णयों में सेना को दरकिनार करने का आरोप लगाया है, उन्होंने कहा कि कई कार्य उचित परामर्श के बिना किए जा रहे हैं। उन्होंने एक समावेशी चुनाव की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया है, उन्होंने सवाल उठाया है कि एक अनिर्वाचित अंतरिम सरकार शक्तिशाली बाहरी अभिनेताओं के साथ कैसे जुड़ सकती है और बिना सार्वजनिक जनादेश के बड़े फैसले कैसे ले सकती है।

कनाडा में लगातार घट रही भारतीय छात्रों की संख्या, जारी परमिट की संख्या में आई 31 प्रतिशत की गिरावट

ओटावा, एजेंसी। कनाडा लगातार भारतीय छात्रों को जारी वीजा परमिट की संख्या में कमी कर रहा है। कनाडा सरकार के इमीग्रेशन रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (ढ्ढक्रष्ट) विभाग ने नए आंकड़े जारी किए हैं, जिनके मुताबिक साल 2025 की पहली तिमाही में सिर्फ 30,640 भारतीय छात्रों को परमिट जारी किए गए। पिछले साल की पहली तिमाही के मुकाबले में कनाडा जाने वाले भारतीय छात्रों में 31 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2024 की पहली तिमाही में 44,295 भारतीय छात्रों को परमिट जारी किया गया था।

दरअसल कनाडा सरकार विदेशों से कनाडा पढ़ने आने वाले छात्रों की संख्या को नियंत्रित करना चाहती है। साल 2023 में कनाडा ने 6,81,155 विदेशी छात्रों को वीजा जारी किए थे, जिनमें से 2,78,045 भारतीय छात्रों को वीजा दिए गए थे, लेकिन उसके बाद से भारतीय छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। साल 2024 में कनाडा ने कुल 5,16,275 विदेशी छात्रों को वीजा जारी किए थे, जिनमें भारतीय छात्रों को जारी वीजा की संख्या 1,88,465 थी। कनाडा में रिकॉर्ड अप्रवासन और इसके चलते वहां घरों की कीमत में इजाफे और स्वास्थ्य एवं परिवहन पर बढ़ते दबाव के चलते कनाडा सरकार ने विदेशी छात्रों को जारी वीजा परमिट में कटौती का फैसला किया।

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि साल 2028 तक कनाडा में अस्थायी नागरिकों की, जिनमें छात्र, विदेशी कामगार शामिल हैं, उनकी संख्या देश की कुल जनसंख्या के पांच प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगी। इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कनाडा सरकार विदेशी छात्रों को जारी परमिट की संख्या में लगातार कटौती कर रही है। साल 2025 में कनाडा सरकार सिर्फ 4,37,000 विदेशी छात्रों को ही परमिट जारी करेगी और अगले साल इसमें और कटौती हो सकती है। साथ ही नए नियमों के तहत कनाडा में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों को ये भी साबित करना होगा कि उनके पास करीब 12.7 लाख रुपये का पर्याप्त फंड है। पिछले साल इस आरक्षित फंड की सीमा 6.14 लाख थी।

पनामा और वेनेजुएला के बीच एक साल बाद फिर शुरू होंगी उड़ानें

कैरेकस, एजेंसी। पनामा और वेनेजुएला के बीच लगभग एक साल से बंद पड़ी वाणिज्यिक उड़ानें फिर से शुरू होने जा रही हैं। पनामा की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने इस बात की पुष्टि की है। दोनों देशों के बीच जुलाई 2024 में राजनयिक तनाव के चलते संबंध टूट गए थे, जब पनामा के राष्ट्रपति ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के पुनः चुनाव को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद वेनेजुएला ने अपनी राजनयिक टीम को पनामा से वापस बुला लिया था। अब संबंधों में सुधार के संकेत के तौर पर उड़ानों की बहाली एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

ट्रंप प्रशासन ने प्रवासी बच्चों की सुरक्षा खत्म करने की कोशिश की

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने फ्लोरेस सेटलमेंट खत्म करने की मांग करते हुए अदालत में याचिका दायर की है। यह समझौता 1990 के दशक से अमेरिका में पकड़े गए प्रवासी बच्चों को सुरक्षित और साफ-सुथरे माहौल में रखने की गारंटी देता है और 72 घंटे से ज्यादा हिरासत में रखने से रोकता है। यह दूसरी बार है जब ट्रंप सरकार ने इसे खत्म करने की कोशिश की है, पिछली बार 2020 में कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। इस समझौते के तहत अदालत द्वारा नियुक्त मॉनिटर निरीक्षण करते हैं।

चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपने से ब्रिटेन की सुरक्षा मजबूत होगी: ब्रिटेन सरकार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने विवादित चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि यह कदम अमेरिका-ब्रिटिश सैन्य अड्डे के भविष्य को सुनिश्चित करता है जो उसकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया पर सामरिक रूप से अहम नौसैनिक और बमवर्षक अड्डा स्थित है। समझौते के तहत ब्रिटेन मॉरीशस को कम से कम 99 साल के लिए अड्डे को पुनः पट्टे पर लेने के लिए प्रति वर्ष औसतन 10 करोड़ 10 लाख पाउंड का भुगतान करेगा।

प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा संचालित यह अड्डा ब्रिटिश आतंकवाद-रोधी और खुफिया जानकारी के लिए महत्वपूर्ण है और यह ''हमारी घरेलू सुरक्षा का आधार है।'' स्टॉर्मर ने लंदन के निकट नॉर्थवुड में ब्रिटिश सैन्य मुख्यालय में

संवाददाताओं से कहा, ''अपनी शर्तों पर यह समझौता करके हम मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। ... इससे यह सैन्य अड्डा अगली शताब्दी तक अच्छे तरीके से संचालित हो सकेगा और आने वाली कई पीढ़ियों तक हमें सुरक्षित रखने में मदद करेगा।''

इस समझौते के आलोचकों का तर्क है कि दो शताब्दियों से ब्रिटिश क्षेत्र रहे इस द्वीपसमूह को छोड़ने से रूस या चीन जैसी विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप का खतरा पैदा हो जाएगा। इस समझौते को संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।

कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता जेम्स कार्टलिज ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की। यह समझौता द्वीप के कुछ मूल निवासियों के विरोध के बावजूद किया गया था। इन निवासियों को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दशकों पहले निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले, ब्रिटेन की एक अदालत ने विवादित चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने पर ब्रिटिश सरकार पर लगाई गई रोक हटा दी थी। स्टॉर्मर और मॉरीशस के नेता नवीन रामगुलाम द्वारा बृहस्पतिवार को समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने से कुछ घंटे पहले, उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए एक अस्थायी आदेश जारी किया था। हालांकि, सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने कहा कि रोक हटा दी जानी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से इस संबंध में परामर्श लिया गया था और उसने अपनी स्वीकृति दे दी, लेकिन लागत को लेकर अंतिम क्षणों में बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रूप देने में देरी हुई। ब्रिटिश साम्राज्य के अंतिम अवशेषों में से एक चागोस द्वीपसमूह 1814 से ब्रिटेन के नियंत्रण में रहा है। ब्रिटेन ने 1965 में मॉरीशस से इस द्वीपसमूह को अलग कर दिया था। मॉरीशस को इसके तीन साल बाद स्वतंत्रता मिली।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में बड़ी तादाद में कुपोषण से पीड़ित बच्चे भर्ती

गाजा, एजेंसी। इजराइल-हमास युद्ध की कीमत मासूम बच्चे अदा कर रहे हैं। गाजा के अस्पताल में कुपोषण से पीड़ित इन बच्चों की दशा युद्ध के अभिशाप को साफ-साफ बयां करती है। अपनी दो साल की बेटी की कमजोर बांह को पकड़कर अस्मा अल-अरजा उसका कपड़ा ऊपर करके उसकी उभरी हुई पसलियों और फूले हुए पेट को दिखाती हैं। बच्ची अस्पताल के बिस्तर पर लेटी है, गहरी गहरी सांस लेती है और फिर बेकाबू होकर रोने लगती है।

यह पहली बार नहीं है जब मयार कुपोषण से जूझते हुए गाजा के अस्पताल में आई हो, लेकिन इस बार 17 दिन अस्पताल में बिताना उसके लिए काफी मुश्किल रहा। उसे सीलिएक रोग है, जो एक

'ऑटोइम्यून' विकार है जिसमें ग्लूटेन (गेहूं और जौ में पाए जाने वाला एक तत्व) के सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणालीअपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं और ऊतकों पर हमला करने लगती है।

इसका मतलब है कि वह 'ग्लूटेन' (गेहूं, मैदा, सूजी आदि) युक्त भोजन नहीं खा सकती और उसे विशेष भोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन 19 महीने के युद्ध और इजराइल की कठोर नाकाबंदी के बाद युद्धग्रस्त क्षेत्र में उसके लिए खाने के विकल्प बहुत कम बचे हैं और जो उपलब्ध है उसे वह पचा नहीं पाती है। खान यूनिस के नासिर अस्पताल में मयार के बगल में बैठी उसकी मां ने कहा, ''उसे डायपर, सोया दूध और विशेष भोजन की जरूरत है। सीमा बंद होने के कारण यह सरलता से उपलब्ध नहीं है, जहां ये चीजें उपलब्ध है, वहां वो काफी महंगी हैं जिन्हें मैं वहन नहीं कर सकती।''

संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के अनुसार, मयार उन 9,000 से अधिक बच्चों में से एक है जिनका इस साल कुपोषण के लिए इलाज किया गया है और खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले साल में ऐसे हजारों मामले सामने आने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इजराइल अपने सैन्य अभियान को नहीं रोकता है और अपनी नाकाबंदी पूरी तरह से नहीं हटाता है तो क्षेत्र में अकाल जैसी स्थिति भी आ सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि लोग पहले से ही भूख से मर रहे हैं। फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी ने कहा, ''जहां भी देखो, लोग भूखे हैं।

जहां यूक्रेन ने किया था कब्ज़ा, अचानक वहां आ खड़े हुए पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से लगे कुर्स्क क्षेत्र का दौरा किया, जिसे रूस ने पिछले महीने यूक्रेनी सेना से मुक्त कराने का दावा किया था। क्रेमलिन (रूस की संसद) ने बताया कि यह दौरा अचानक और अघोषित था। पुतिन ने वहां निर्माणाधीन कुर्स्क न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट-2 का निरीक्षण किया और चुनिंदा वॉलंटियर्स से मुलाकात की। पूतिन ने वॉलंटियर्स से कहा कि जो आप देश के लिए कर रहे हैं, वह हमेशा आपके साथ रहेगा, क्योंकि वह शायद आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काम है।

यूक्रेनी वलों ने अगस्त 2024 में कुर्स्क क्षेत्र में अचानक घुसपैठ की थी, जो लगभग ढाई साल से चल रहे युद्ध के दौरान कीव की बड़ी सफलता थी। वहीं, रूस ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने रातभर में यूक्रेन के 159 ड्रोन मार गिराए, जिनमें ओरयोल इलाके में 53 और ब्रायंस्क इलाके में 51 शामिल हैं।

पुतिन ने स्वयंसेवकों के साथ चाय पीते हुए कहा, इस कठिन परिस्थिति के दौरान आप इस क्षेत्र, इस इलाके और देश के लिए जो कुछ कर रहे हैं, वह जीवन भर आपके साथ रहेगा, क्योंकि शायद यह आपके जीवन का सबसे सार्थक कार्य होगा। यूक्रेन का कुर्स्क में अचानक प्रवेश तथा वहां अपनी जमीन पर कब्जा बनाए रखने की क्षमता, एक सैन्य उपलब्धि थी, जिसे

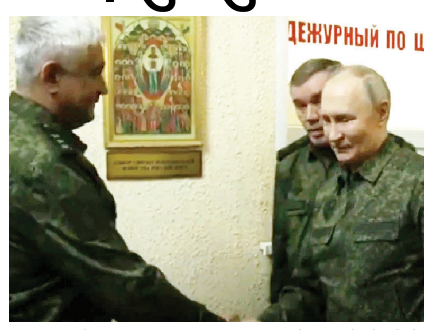

गुप्त रूप से अंजाम दिया गया तथा इसने महीनों से मोर्चे से आ रही इन निराशाजनक खबरों का जवाब दिया था कि यूक्रेनी सेना को रूसी सेना द्वारा पीछे धकेला जा रहा है। कीव की रणनीति का उद्देश्य यह दिखाना था कि वह युद्ध अभी हारा नहीं है। पुतिन ने कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशटेन से मुलाकात में कहा कि विस्थापित परिवारों को मासिक सहायता राशि देने की योजना जारी रखने के विचार को क्रेमलिन समर्थन देता है। पुतिन ने कहा कि वह इस क्षेत्र में एक संग्रहालय बनाने के प्रस्ताव का समर्थन करेंगे, जिसमें खिनशटेन द्वारा वर्णित हमारे रक्षकों की वीरता और क्षेत्र के निवासियों की वीरता को दर्शाया जाएगा।

युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा: उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने जलावतरण के दौरान अपने नए नौसैनिक विध्वंसक युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना के संबंध में जांच और जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा था कि यह आपराधिक लापरवाही के कारण हुआ है। उत्तर कोरिया की नौसेना के लिए अहम 5,000 टन वजनी विध्वंसक युद्धपोत अपने जलावतरण समारोह के दौरान बुधवार को क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन भी शामिल हुए थे। उत्तर कोरियाई नेता किम देश के खिलाफ व्यापक होते अमेरिका नीत खतरों से निपटने के लिए बड़े युद्धपोत चाहते हैं। उत्तर कोरिया के लिए सैन्य-संबंधी असफलताओं को स्वीकार करना सामान्य बात नहीं है लेकिन पर्यवेक्षकों का कहना है कि पोत के जलावतरण के असफल रहने का खुलासा यह दर्शाता है कि किम अपने नौसैनिक कार्यक्रम के प्रति गंभीर हैं।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, 5000 टन श्रेणी का विध्वंसक पोत जलावतरण के समय 'रैंप' से फिसल गया और फंस गया जिससे युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और उसका निचला हिस्सा

क्षतिग्रस्त हो गया। केसीएनए ने शुक्रवार को कहा कि ''गंभीर नुकसान नहीं हुआ'' है और इसे लगभग 10 दिन में ठीक किया जा सकता है। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग ने इस घटना की जांच शुरू करते हुए चोंगजिन शिपयार्ड के प्रबंधक हांग किल हो को तलब किया है। केसीएनए के अनुसार, आयोग ने कहा, ''युद्धपोत की स्थिति चाहे कितनी भी बेहतर क्यों न हो, यह सच्चाई बदली नहीं जा सकती कि यह दुर्घटना एक अक्षम्य आपराधिक कृत्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोग अपनी जिम्मेदारी से कभी बच नहीं सकते।'' किम ने सैन्य अधिकारियों, वैज्ञानिकों और शिपयार्ड संचालकों को इस घटना के लिए दोषी ठहराया है। उन्होंने जून के अंत में होने वाली सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' की उच्चस्तरीय बैठक से पहले युद्धपोत की मरम्मत का काम पूरा करने का आदेश दिया है।

उत्तर कोरिया की सेंट्रल मिलिट्री कमेटी ने चोंगजिन शिपयार्ड के मैनेजर होंग किल हो को समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया के अनुसार, भले ही जहाज को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन इस हादसे की माफी नहीं है और यह एक अपराध है। इसके जिम्मेदार लोग इससे बच नहीं पाएंगे। हादसे के समय किम जोंग उन भी मौजूद थे और उन्होंने हादसे पर कड़ी नाराजगी जताई थी। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि हादसे में जहाज को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और यह 10 दिनों में रिपेयर हो सकता है। जहाज के एक तरफ थोड़ी खरोंच आई है और जहाज के कई सेक्शन में समुद्र का पानी भर गया है। हालांकि अभी पूरे नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है। उत्तर कोरिया से बहुत ज्यादा जानकारी बाहर नहीं जा पाती। खासकर सैन्य संबंधी मामलों को भी काफी गुप्त रखा जाता है। उत्तर कोरिया अपनी नौसैन्य ताकत को बढ़ाना चाहता है और यह युद्धक जहाज की असफल लॉन्चिंग भी उसी योजना का हिस्सा थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार के स्टीयरिंग से 74.450 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुए।

सूरत क्राइम ब्रांच ने चार ड्रग पेडलरों को गिरफ्तार कर 12.97 लाख रुपये का माल जब्त किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर में ड्रग्स के खिलाफ एक के बाद एक सख्त कार्रवाई कर रही सूरत क्राइम ब्रांच ने "Say No To Drugs" अभियान के तहत आज एक बड़ा खुलासा किया है। शहर के सरथाणा जकातनाका के पास बीआरटीएस बस स्टेशन के सामने कार में ड्रग्स का जखीरा छुपाकर खड़े चार पेडलरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कार के स्टीयरिंग के अंदर बहुत ही चालाकी से मेफेड्रोन ड्रग्स छुपाकर ला रहे थे।

क्राइम ब्रांच को मिली पक्की सूचना के आधार पर बनाई गई अलग-अलग टीमों ने निगरानी शुरू की थी। सूचना मजबूत होने के कारण जांच के दौरान एक संदिग्ध कार को रोका गया। कार की बारीकी से तलाशी लेने पर स्टीयरिंग के अंदर छुपाया गया 74.450 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 7,44,500 रुपये बताई गई है।

कार में बैठे चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पंकजकुमार पासवान, सरफराज अंसारी, रोहनकुमार राठौड़ और जगत जीवन राउत बताए हैं। पुलिस ने ड्रग्स के साथ-साथ कार, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री मिलाकर कुल 12,97,000 रुपये का माल जब्त किया है।

डीसीपी भावेश रोजिया ने जानकारी दी कि आरोपियों ने पुलिस के सामने कबूल किया है कि वे यह मेफेड्रोन ड्रग्स मुंबई से लाकर सूरत शहर के विभिन्न इलाकों में ग्राहकों को पहुंचाने वाले थे। इस काम के बदले उन्हें ऊंचा कमीशन मिलता था। ड्रग्स का ट्रांसपोर्टेशन और सप्लाई बेहद गुप्त और व्यवस्थित तरीके से किया जाता था, जिसके लिए वे स्टीयरिंग जैसे स्थान का इस्तेमाल करते थे।

फिलहाल क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि यह ड्रग्स कहां से मंगाया गया, किससे खरीदा गया और किन ग्राहकों को सप्लाई करना था। पुलिस को शक है कि इस पूरे ड्रग्स नेटवर्क के पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय हो सकता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस वैन पर चढ़कर किया विरोध

गैंगरेप के आरोपी बीजेपी के आदित्य उपाध्याय और गौरव सिंह के खिलाफ कोर्ट के बाहर नारेबाजी हुई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के जहांगीरपुरा इलाके में दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में आरोपी बीजेपी वार्ड नंबर 8 के महामंत्री आदित्य उपाध्याय और उसके मित्र गौरव सिंह को पुलिस रिमांड समाप्त होने पर कोर्ट लाया गया था। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस वैन पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई, जिसमें कुछ कार्यकर्ताओं के कपड़े फट गए। पुलिस ने विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं को खदेड़ कर हिरासत में ले लिया।

सूरत के जहांगीरपुरा इलाके में दुष्कर्म के गंभीर मामले में आरोपी भाजपा वार्ड नंबर 8 के महामंत्री आदित्य उपाध्याय और उसके मित्र गौरव सिंह को पुलिस ने 19 मई 2025 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर 10 दिन की रिमांड की मांग की गई थी, जिसमें कोर्ट ने 4 दिन की रिमांड मंजूर की थी।

दूसरी ओर, आरोपी आदित्य उपाध्याय के अवैध नॉनवेज ढाबे पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया था।

जब आरोपियों को कोर्ट कस्टडी के बाद जेल भेजने के लिए कोर्ट ले जाया जा रहा था, उस वक्त कोर्ट के बाहर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र विरोध प्रदर्शन किया। भारी पुलिस बंदोबस्त के बावजूद यूथ कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता पुलिस वैन के सामने आ गए और वैन के बोनट पर चढ़ गए। विरोध कर रहे 8 कार्यकर्ताओं को किया गया गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को खींचकर दूर ले जाया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े भी फट गए थे। अंततः पुलिस ने कुल 8 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने च्व्क्क्छ्क्क मतलब बलात्कारी जलसा पार्टीज्ज लिखे पोस्टर प्रदर्शित करके अपना आक्रोश जताया और आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग की।

बता दें कि इस केस में अब तक होटल मालिक और मेडिकल स्टोर के संचालक समेत अन्य कुछ लोगों को भी पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

शिकायत के अनुसार, आदित्य उपाध्याय और उसका दोस्त गौरवसिंह वेडरोड इलाके की एक युवती को बीच पर लेकर गए थे, जहां उन्होंने ठंडे पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिलाया। इसके बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ गई थी। उसी हालत में युवती को जहांगीरपुरा की एक होटल में ले जाया गया, जहां दोनों आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया।

इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जहांगीरपुरा थाने में मामला दर्ज किया। जांच में सामने आया कि आदित्य उपाध्याय भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा का कार्यकर्ता और वार्ड नंबर 8 का वार्ड प्रमुख है। इसके बाद पार्टी ने तत्काल प्रभाव से उसे पार्टी से निलंबित कर दिया है।

प्रेमी ही निकला हत्यारा।

सचिन GIDC में हुई महिला की हत्या का रहस्य सुलझा, सूरत क्राइम ब्रांच ने आरोपी को बिहार से दबोचा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC क्षेत्र की रामेश्वर कॉलोनी की झाड़ियों में मिली अज्ञात महिला की लाश के मामले में अब खुलासा हुआ है कि उसकी बेरहमी से हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका ही प्रेमी था। सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने जांच कर इस अपराध का पर्दाफाश कर दिया है। आरोपी हत्या के बाद बिहार और फिर नेपाल तक फरार हो गया था। जब वह दोबारा बिहार लौटा, तब उसे गिरफ्तार किया गया।

8 मई को सचिन GIDC पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रामेश्वर कॉलोनी के पास एक महिला की लाश मिली थी। महिला के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे, जिसे देखकर पुलिस को तुरंत शक हुआ कि यह कोई सामान्य मौत नहीं बल्कि एक निर्मम हत्या का मामला है। महिला की पहचान न होने के कारण पूरे सूरत शहर में सनसनी फैल गई और पुलिस हरकत में आ गई।

शहर की क्राइम ब्रांच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग टीमें बनाकर त्वरित जांच शुरू की। लगभग 500 सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई और निजी मुखबिरों की मदद से अंततः मृतका की पहचान मुन्नीदेवी चौहान (उम्र 35) के रूप में हुई। मुन्नीदेवी मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के चंदौली गांव की निवासी थीं और फिलहाल सूरत के सचिन त्द्धष्ष्ट क्षेत्र के शिवनगर में किराए के मकान में रहती थीं।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुन्नीदेवी का एक युवक अरमान उर्फ छोटेबाबू हाशमी (उम्र 21) से प्रेम संबंध था। दोनों अलग-अलग किराए के मकानों में रहकर आपस में मिला करते थे। पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच अविश्वास और झगड़े बढ़ गए थे। मुन्नीदेवी अपने प्रेमी अरमान पर शक करती थी, जिससे उनके रिश्ते में तनाव बढ़ गया था।

लगातार झगड़ों से तंग आकर अरमान ने एक दिन मुन्नीदेवी को बुलाया और सचिन GIDC की रामेश्वर कॉलोनी के पास एक सुनसान इलाके में ले गया। वहां झाड़ियों के बीच उसने लोहे की रॉड से उसके सिर के आगे और पीछे कई वार कर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया था।

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने 250 से अधिक स्थानों पर जांच की थी। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और निजी मुखबिरों की मदद से पुलिस टीमों ने पुष्टि की कि आरोपी अरमान हाशमी बिहार और उसके बाद नेपाल भाग गया था। लगातार खोजबीन के बाद एक गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने उसकी पुष्टि की और उसका लोकेशन ट्रेस कर अंततः उसे बिहार से पकड़ लिया।

लिव-इन में रहने वाले प्रेमी जोड़े की रहस्यमय मौत

प्रेमिका ने अस्पताल पहुँचने से पहले ही दम तोड़ दिया और खून की उल्टी के बाद प्रेमी की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लिव-इन में रह रहे युवक-युवती की रहस्यमयी मौत का मामला सामने आया है। डुमस समुद्र किनारे दोनों गंभीर हालत में मिले थे, जिसके बाद उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां युवती को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस को दोनों के पास से कोई मोबाइल फोन नहीं मिला, लेकिन दो सिम कार्ड, तीन ट्रेन की टिकटें और अन्य सामान बरामद हुआ है। फिलहाल, दोनों के शवों को सिविल अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा गया है और उनकी मौत के सही कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के वराछा क्षेत्र में रत्नकल्लाकार के रूप में काम करने वाले कांतिकभाई डोबरिया रहते हैं। उनका एक बेटा 32 वर्षीय युवक भूमिक था, जिसने एक साल से परिवार से संपर्क तोड़ लिया था। भूमिक बेरोजगार था और कोई काम धंधा नहीं करता था। इसी बीच जनवरी महीने में भूमिक उधना क्षेत्र में रहने वाली 24 वर्षीय दीक्षित नारायणभाई चौहान के साथ भाग गया था। दीक्षित भी परिवार की इकलौती बेटी है और उसका एक भाई है। इसलिए दीक्षित के परिवार वालों ने पुलिस में इसकी सूचना दी थी।

दीक्षित पुलिस में उपस्थित हुई और उसने कहा कि वह भूमिक के साथ रहना चाहती है, जिस पर परिवार ने भी सहमति दे दी थी। भूमिक और दीक्षित राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में लिव-इन में रहते थे। भूमिक का परिवार से कभी-कभी ही फोन पर संपर्क होता था, जबकि दीक्षित अपने परिवार से अक्सर फोन पर बात करती रहती थी। भूमिक क्या काम करता था और वे कहाँ और कैसे रहते थे, इसके बारे में परिवार को कोई जानकारी नहीं थी।

इस दौरान भूमिक और दीक्षित दोनों दो दिनों के लिए सूरत अपने पिता कांतिकभाई के घर आए थे। उस समय दोनों दीक्षित के परिवार से भी मिले थे। दोनों ने बताया था कि वे बिल्कुल ठीक-ठाक रह रहे हैं। इसके बाद दोनों वापस राजस्थान लौट गए। कुछ दिन पहले ये दोनों इंदौर से ट्रेन द्वारा सूरत आए थे। फिर उन्होंने परिवार को सूचना दिए बिना सीधे डुमस समुद्र किनारे जाना शुरू कर दिया।

भूमिक की खून की उल्टियों के बाद इलाज के दौरान मौत

कल भूमिक ने फोन करके 108 एम्बुलेंस बुलाई थी, जिसके बाद दोनों को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहाँ ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने जांच के बाद दीक्षित को मृत घोषित कर दिया। जबकि खून की उल्टियां कर रहे भूमिक को तुरंत भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। रात 11 बजे दीक्षित की मौत हो गई, वहीं भूमिक की इलाज के दौरान सुबह 5 बजे मौत हो गई। दोनों की रहस्यमय मौत के कारण पुलिस द्वारा और जांच की जा रही है।

पूर्व विधायक के पोते ने युवती के साथ किया दुष्कर्म, मारपीट कर कराया गर्भपात।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भाजपा से निलंबित किए जाने के बाद हाल ही में वडोदरा तालुका पंचायत की उपचुनाव में कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़े नेता के बेटे के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज की गई है।

नंदेसरी निवासी और वडोदरा तालुका पंचायत के पूर्व उपप्रमुख रह चुके राजेन्द्रसिंह गोहिल के पुत्र अनिरुद्ध गोहिल पर पीड़िता का जबरन गर्भपात कराने और उसे अपमानजनक शब्दों से अपमानित करने की शिकायत दर्ज हुई है।

नंदेसरी क्षेत्र में रहने वाले तालुका पंचायत के पूर्व उपप्रमुख राजेन्द्रसिंह गोहिल के बेटे अनिरुद्ध गोहिल के संपर्क में करीब डेढ़ साल पहले आई पीड़िता के साथ उसने उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए थे।

जब पीड़िता गर्भवती हुई, तब अनिरुद्ध ने शादी का वादा किया। लेकिन बाद में उसने जबरन गर्भपात कराया और जातिसूचक व अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर उसे परेशान किया।

जिसके चलते पीड़िता ने नंदेसरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। PI स्वप्निल पंड्या ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार और अत्याचार (एट्रोसिटी) एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी के फरार हो जाने पर मामले की जांच स्ट-स्ज्ञ सेल के एसीपी को सौंपी गई है।

बलात्कार के मामले में फरार आरोपी अनिरुद्धसिंह गोहिल को अपने परिवार और ननिहाल पक्ष से राजनीतिक सरंक्षण प्राप्त है। उसके दादा मंगलसिंह गोहिल जनता दल से विधायक के रूप में चुने गए थे। बाद में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे और वर्तमान में भाजपा के साथ जुड़े हुए हैं। वहीं, उसके पिता राजेन्द्रसिंह गोहिल भाजपा से वडोदरा तालुका पंचायत में निर्वाचित होकर उपप्रमुख बने थे, लेकिन लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने के कारण उनका सदस्य पद समाप्त कर दिया गया था।

बाद में जब नंदेसरी सीट खाली हुई, तो उस पर उपचुनाव हुआ, जिसमें राजेन्द्रसिंह ने कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारी की थी, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पीड़िता ने मीडिया के सामने यह आरोप भी लगाया है कि अनिरुद्धसिंह राजेन्द्रसिंह गोहिल ने उसे मारापीटा है। चूंकि अनिरुद्ध ने शादी का वादा किया था, इसलिए पीड़िता ने अपने नाम के साथ अनिरुद्ध का नाम भी जुड़वाया था, ऐसी जानकारी सामने आई है।

वहीं दूसरी ओर, आरोपी अनिरुद्धसिंह गोहिल ने अग्रिम जमानत की मांग की है, जिसे रद्द करवाने के लिए जांच अधिकारी ने कोर्ट में हलफनामा (सोगंदनामा) पेश किया है।

अनिरुद्ध के परिजनों पर मदद करने का पीड़िता का आरोप

पीड़िता ने आरोपी अनिरुद्धसिंह के खिलाफ उसकी इच्छा के विरुद्ध बलात्कार करने का आरोप लगाया है और पूरे मामले में आरोपी के मामा सहित परिजनों द्वारा उसे मदद पहुंचाने का भी आरोप लगाया है।

पांडेसरा में शक के कारण पति ने युवक की हत्या की।

पत्नी के साथ संबंध के शक में चाकू के वार कर मौत के घाट उतार दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसर क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शक के शिकार पति ने अपनी पत्नी के परिचित युवक की अपने ही घर में छुरी के वार करके हत्या कर दी। मध्यरात्रि में हुई इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

यह हत्या की घटना सूरत के पांडेसरा इलाके के पुनित नगर में हुई, जहां नरेंद्र नाम का एक अस्थायी मजदूर महाराष्ट्र के धुलिया से तीन दिन पहले आया था। उसने सागर सीलक नाम के युवक की छुरी से वार कर हत्या कर दी। सागर पिछले तीन दिन से नरेंद्र के घर रह रहा था। पुलिस जांच में पता चला कि नरेंद्र को अपनी पत्नी वंदना और सागर के बीच अनैतिक संबंध का शक था। उसे लगा कि उसकी पत्नी के साथ सागर का अनैतिक संबंध है। इसी शक ने नरेंद्र को उकसाया और रात एक बजे एक निर्दोष युवक की जान ले ली।

हत्या के समय घर में नरेंद्र की पत्नी और बच्चा भी मौजूद थे, लेकिन वे लोग सो रहे थे। सागर की चीखें सुनकर पत्नी और बच्चा जाग गए और देखा कि सागर खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। पत्नी वंदना ने बताया, "हम सभी सो रहे थे। सागर की चीखें सुनकर जब जागे तो देखा कि पूरा घर खून से भर गया था। सागर मेरा परिचित था और धुलिया में एक लैब में काम करता था। हमारे बीच झगड़ा होने के बाद वह कुछ दिन रहने के लिए मेरे पास आया था। मैंने पति से अनुमति लेकर सागर को घर बुलाया था। अगर मुझे पता होता कि ऐसी घटना होगी तो मैं कभी उसे घर पर नहीं रखती।"

हीरा उद्योग में मंदी के बीच रत्नकला कर्मचारियों को राहत, राज्य सरकार ने जारी की सहायता योजना।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात का सूरत शहर अपने हीरा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन पिछले कई वर्षों से चल रही लगातार मंदी के कारण यह उद्योग ठप हो गया है। इसके अलावा कई रत्नकार आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या तक कर चुके हैं। रत्नकारों की इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 11 मार्च को ऑल गुजरात डायमंड एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में रत्नकारों के हित में निर्णय लेने की घोषणा की गई थी। हालांकि, बैठक के 74 दिन बाद शनिवार (24 मई) को इस संबंध में फैसला लिया गया है, जिसमें राज्य सरकार ने रत्नकारों के हित के लिए विभिन्न सहायता योजनाओं की घोषणा की है।

राज्य सरकार ने रत्नकारों के लिए सहायता योजना बनाई है, जिसकी घोषणा शनिवार (24 मई) को गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, वन और पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल, और राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने की।

इस योजना के तहत, राज्य सरकार रत्नकारों के बच्चों की एक साल की शिक्षा फीस में अधिकतम 13,500 तक की राशि माफ करेगी। यह राशि सरकार द्वारा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी।

इसके अलावा, बिजली शुल्क में भी एक वर्ष की छूट दी जाएगी। साथ ही, 5 लाख की लोन पर 9 प्रतिशत की ब्याज सहायता तीन वर्षों तक प्रदान की जाएगी।

सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों की मंजूरी हेतु एक समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति में जिला स्तरीय मंजूरी समिति के अध्यक्ष के रूप में कलेक्टर होंगे, और सदस्य के रूप में जिला श्रम अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, लीड बैंक के अधिकारी तथा डायमंड एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उप कार्यपालक अभियंता ACB के जाल से तो बच निकले, लेकिन फोन रिकॉर्डिंग में फँस गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा महानगर सेवा सदन के उप कार्यपालक अभियंता (वर्ग-2) कौशिक शांतिलाल परमार ने वर्ष 2018 में वडोदरा महानगर पालिका में आजवा रोड बैलेंसिंग रिज़र्वायर के ऑपरेशन और मेंटनेंस के तीन वर्ष के कार्य के लिए लगभग 60,00,000/- (साठ लाख रुपये) का टेंडर वडोदरा महानगर पालिका द्वारा निकाला था। इस कार्य को करने के लिए शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन टेंडर भरा था।

इस कार्य के आरोपी उप कार्यपालक अभियंता (वर्ग-2) कौशिक शांतिलाल परमार ने शिकायतकर्ता से संपर्क कर कहा था कि उसका टेंडर मंजूर हो गया है और इसके एवज में 5 प्रतिशत के अनुसार तीन लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पहले ही 1,50,000/- कौशिक शांतिलाल परमार को दे दिए थे। लेकिन जब शिकायतकर्ता का काम नहीं हुआ, तो उसने पुनः उप कार्यपालक अभियंता कौशिक शांतिलाल परमार से संपर्क किया। उस समय घूसखोर अधिकारी ने कहा कि बाकी के 1,50,000/- दे दो। शिकायतकर्ता ने उस बातचीत की रिकॉर्डिंग कर ली थी।

रिश्वत की रकम देना न चाहते हुए शिकायतकर्ता ने दिनांक 20/11/2018 को वडोदरा शहर ACB कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर दिनांक 21/11/2018 को दो सरकारी पंचों की उपस्थिति में आरोपी के विरुद्ध ट्रैप की योजना बनाई गई। लेकिन रिश्वतखोर अधिकारी ने रकम स्वीकार नहीं की और ट्रैप को असफल घोषित किया गया।

जब खुली जांच की मांग की गई और जांच के दौरान शिकायतकर्ता और आरोपी के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग का टेम्परिंग सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ, तो यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो गया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से 1,50,000/- की रिश्वत की मांग की थी। इसके आधार पर केस दर्ज करने का आदेश जारी किया गया और वडोदरा शहर ACB पुलिस स्टेशन में आरोपी कौशिक शांतिलाल परमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।